हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 14 जून 2026

छत्तीसगढ़ शासन

महतारी वंदन

सखी वन स्टॉप सेंटर
SOP लागू करने वाला **पहला राज्य**, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी मदद

महतारी वंदन योजना
28वीं किस्त ₹18,165.19 लाख की सहायता
2026-27 बजट में **₹8,200 करोड़** का प्रावधान

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना
दो वर्षों में **21,754 बालिकाओं** का विवाह संपन्न
प्रत्येक जोड़े को **₹50,000** की सहायता राशि

यूनिटी मॉल
महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय हेतु **व्यापक बाज़ार**

लखपति दीदी योजना
8 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी
10 लाख अतिरिक्त महिलाओं को लखपति दीदी बानाने का लक्ष्य

लखपति दीदी भ्रमण योजना
₹05 करोड़ का बजटीय प्रावधान
लखपति दीदियों को कराया जाएगा **एक्सपोजर विजिट**

रजिस्ट्री शुल्क
महिलाओं को **रजिस्ट्री शुल्क** में **50%** की छूट का बजटीय प्रावधान

महतारी सदन
368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु **₹108.78 करोड़** स्वीकृत
137 महतारी सदनों का निर्माण पूर्ण

बिहान योजना
42,878 महिला स्व-सहायता समूहों को आसान ऋण से अब तक **₹129.46 करोड़** का लाभ

रेडी टू ईट
पायलट प्रोजेक्ट के रूप में **महिला स्व-सहायता समूहों** को पुन: **रेडी टू ईट** के कार्य की ज़िम्मेदारी

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 14 जून 2026

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद आज सुकमा में

डॉ. हिमांशु द्विवेदी | केदार कश्यप | महेश कश्यप | बारसे धनीराम | हरीश कवासी

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

जिले में जनसरोकारों और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए हरिभूमि-आईएनएच द्वारा जिला संवाद-2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 14 जून रविवार को दोपहर साढ़े तीन बजे से स्वामी विवेकानंद सभागार में होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वे हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों का जवाब देंगे।

कार्यक्रम में जिले के विकास, अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सडक, पेयजल सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों पर खुलकर चर्चा की जाएगी। इस दौरान आम जनता और विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रतिनिधियों के सवालों के माध्यम से जिले की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर भी संवाद होगा। कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांग्रेस की ओर से हरीश कवासी, भाजपा की ओर से बारसे धनीराम तथा बस्तर राज मोर्चा के पूर्व विधायक मनीष कुंजाम सहित करण सिंह देव, सुरेंद्र चांडक , अनीश बोथरा, अधिवक्ता कैलाश जैन मौजूद रहेगे। इसके अलावा कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के सीइओ, मंडलधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियो की उपस्थिति से कार्यक्रम में जिले के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक बहस और चर्चा होगी। इस आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों का सम्मान भी किया जाएगा, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र शिवमणि तिवारी, समाज ▶▶| शेष पेज 5 पर

कलेक्टर ने जांच का जिम्मा अपर कलेक्टर को सौंपा

सुहागिनों को दिए मंगलसूत्र काले पड़े चांदी की जगह गिलेट, जांच के आदेश

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत एमसीबी जिले के खड़गवा ब्लाक के रतनपुर में 10 फरवरी को सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। इसमें 184 गरीब बेटियों का विवाह हुआ। सबको मंगलसूत्र बांटे गए, जो चांदी के बताए गए। मंगलसूत्र कुछ दिन बाद ही काले पड़ने लगे। सुहागिनों ने इस मामले में प्रशासन को घेरा, कहा, मंगलसूत्र में घोटाला किया गया। उन्हें चांदी के मंगलसूत्र दिए जाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मनेंद्रगढ़

हरिभूमि सरोकार

प्रारंभिक जांच में मंगलसूत्र चांदी की जगह 'गिलेट' के निकले। मामले ने तूल पकड़ा। इस मामले में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि यह जरूरी नहीं कि मंगलसूत्र चांदी का ही दिया जाए। हालांकि उन्होंने कहा कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच का जिम्मा अपर कलेक्टर अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे को सौंप दिया। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीर बताते हुए अधिकारियों और सप्लायर पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेन्द्रगढ़ शहर ▶▶| शेष पेज 5 पर

नवविवाहिताओं ने लगाए नकली गहने बांटने के आरोप

नवविवाहिताओं ने कहा कि शादी के बाद उन्होंने जब मंगलसूत्र पहनना शुरू किया तो उसका रंग काला पड़ने लगा। इसके बाद उन्होंने इसकी जांच कराई, जिसमें पता चला कि यह असली चांदी का नहीं है। इससे उन्हें बहुत दुख हुआ। चांदी का देने का दावा किया गया था। सुहागिन के लिए मंगलसूत्र भावनात्मक है। उसे काला पड़ते देख बहुत पीड़ा हुई है। जिम्मदार अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

यह है मामला

रतनपुर के खड़गवां ब्लॉक के चनवारीडांड में 10 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में 189 जोड़ों की शादी कराई गई थी। योजना के तहत दुल्हनों को मंगलसूत्र समेत कई उपहार दिए गए थे। लेकिन शादी के कुछ ही समय बाद कई दुल्हनों ने शिकायत की कि उनके मंगलसूत्र का रंग काला पड़ने लगा। इसके बाद जब उन्होंने मंगलसूत्र की जांच कराई गई तो दावा किया गया कि उनमें चांदी की जगह गिलट का इस्तेमाल किया गया है। उनका कहना है कि गरीब परिवारों की बेटियों के लिए चलाई जा रही इस योजना में ऐसी लापरवाही दुर्भाग्यपूर्ण है। महिलाओं ने जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सवाल उठाए हैं।

फ्रांस, स्लोवाकिया की यात्रा पर पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया की एक सप्ताह की यात्रा पर रवाना हुए। इस दौरान वह जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और विभिन्न द्विपक्षीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विश्व नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। यात्रा पर रवाना होने से पहले मोदी ने एक वक्तव्य में कहा कि भारत की रणनीतिक दूरदृष्टि में फ्रांस का एक खास स्थान है, जबकि स्लोवाकिया की उनकी यात्रा एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

18 साल से अधिक का नहीं बनेगा आधार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड हासिल करने से रोकने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों को यह कार्ड जारी नहीं करने का फैसला किया है। शर्मा ने कहा कि असाधारण मामलों में आधार कार्ड जारी करने की अनुमति के लिए जिला आयुक्त को राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजना होगा। इसके बाद सरकार यह फैसला करेगी कि आवेदक आधार कार्ड के लिए पात्र है या नहीं। शर्मा ने कहा कि राज्य में आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया ऐसी स्थिति में पहुंच गई है, जहां लगभग सभी पात्र लोगों को आधार कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो छात्रों की मौत

बेंगलुरु। बेंगलुरु के निकट मैसुरु रोड पर नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे दो लोगों की मोटरसाइकिल कथित तौर पर एक 'डिवाइडर' से टकरा गई, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान एर्नाकुलम निवासी गौरी शंकर (22) और केरल के कन्नूर निवासी अतुल सी. बी. (22) के तौर पर हुई है। दुर्घटना देर रात करीब दो बजे दोनों के मैसुरु से केंगेरी लौटते समय आर. आर. डेंटल कॉलेज के पास हुई। गौरी शंकर ने मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो दिया जिससे वह सड़क के 'डिवाइडर' से टकरा गई।

भारतीयों की मौत, जयशंकर ने रुबियो को लगाया फोन, जताया कड़ा विरोध

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के हमलों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया, जिनमें तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है।

जयशंकर ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में रुबियो के साथ हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा, 'वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ इस तरह की घातक कार्रवाई उचित नहीं है।' इस सप्ताह ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन जहाजों पर हमले हुए। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई।

अमेरिकी दूतावास प्रभारी को भी किया था तलब

जयशंकर ने कहा, 'अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की। मैंने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के उन हमलों के खिलाफ भारत का कड़ा विरोध दोहराया, जिनमें तीन भारतीय नाविकों की जान गई है।' भारत ने इस मामले में अपना विरोध दर्ज कराने के लिए नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को भी तलब किया था। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया था और कहा था कि यह 'पूरी तरह अस्वीकार्य' है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए दावा किया, 'होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों के खिलाफ बीती रात उनका (ईरान का) पूरी तरह विफल ड्रोन हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्हें तुरंत अपने तौर-तरीके सुधारने होंगे।'

ओमान में अमेरिकी नौसेना के हमलों में गई है 3 भारतीयों की जान

यह है मामला

आठ जून को अमेरिकी बलों ने पलाऊ के ध्वज वाले तेल टैंकर 'मैरीवेक्स' पर हमला किया था। इस जहाज पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था। इसके बाद 10 जून को अमेरिका ने पलाऊ के ही ध्वज वाले एक अन्य टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया, जिस पर सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई। इसके अलावा, गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले टैंकर 'जलवीर' पर भी बृहस्पतिवार को हमला हुआ था। इस जहाज पर 20 भारतीय नागरिक सवार थे।

ट्रंप का दावा गलत, हमने नहीं किया भारतीय जहाजों पर हमला : ईरान

ईरान के दूतावास ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह दावा कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले किए 'पूरी तरह से बेबुनियाद' है। दूतावास ने ट्रंप की टिप्पणियों को इस सप्ताह ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया। भारत ने शुक्रवार को नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी जेसन मीक्स को तलब किया था और उन्हें बताया था कि ओमान तट के निकट भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी सेना के घातक हमले अस्वीकार्य हैं, जिसके बाद ट्रंप का यह बयान आया था।

चौथे जहाज पर नहीं हुआ अटैक, 4 भारतीयों की मौत की खबर फर्जी

सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्टों में शनिवार को ओमान के तट के पास भारतीय क्रू वाले एक और जहाज पर हमले और चार भारतीय नाविकों की मौत की खबर गलत है। भारत सरकार ने इन दावों को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि सरकार ने सीधे जहाज के मास्टर (कप्तान) से संपर्क किया है। कप्तान ने पुष्टि की कि जहाज पर मौजूद सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

खबर संक्षेप

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज होंगे नए थल सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले भारतीय थल सेनाध्यक्ष होंगे। थलसेना के आधुनिकीकरण में अपने योगदान और रणनीतिक योजना बनाने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ फिलहाल थलसेना के उप प्रमुख हैं। वह 30 जून को जनरल द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर पदभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ की नियुक्ति में सरकार ने वरिष्ठता के सिद्धांत का पालन किया है। मंत्रालय ने कहा, सरकार ने फिलहाल थलसेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला थलसेना प्रमुख नियुक्त किया है और उनकी नियुक्ति 30 जून से प्रभावी होगी।

राम मंदिर कर्मचारी के घर 10 लाख मिले

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर ट्रस्ट ने शनिवार को सीएम योगी से चोरी के दावे की जांच एसआईटी से कराने की मांग की। इधर, मंदिर के कर्मचारी लवकुश मिश्रा (27) के घर से 10 लाख रुपए बरामद हुए हैं। उसने रुपए गोबर में दबाकर छिपाए थे। इसके अलावा, कुछ पैसे बक्से में भी रखे थे। हालांकि, ये रुपए किसके हैं, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

असम में एएन-32 परिवहन विमान क्रैश, एयरबेस पर अफरा-तफरी मची

दुर्घटना का कारण पता लगाने बनाई जा रही है जांच समिति

एयर फोर्स स्टेशन पर मौत की लैंडिंग, गई 5 जांबाजों की जान

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

असम के जोरहाट में एयरबेस पर लैंडिंग के समय वायुसेना के एएन-32 कार्गो विमान दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में पांच जवान बलिदान हो गए हैं। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब आपूर्ति सामग्री ले जा रहा यह मालवाहक विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था।

वायुसेना की तरफ से जवानों के बलिदान पर गहरा दुख जताया गया है। वायुसेना का कहना है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर शनिवार को भारतीय वायुसेना का एएन-32 मालवाहक विमान लैंडिंग के तुरंत बाद आग की चपेट में आ गया था। इस घटना के बाद एयरबेस पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने अपना काम शुरू कर दिया गया था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जैसे ही विमान रनवे पर उतरा, उसमें अचानक आग लग गई और उससे घना धुआं उठने लगा। यह नजारा काफी भयावह था, जिसे देखते ही एयरपोर्ट और वायुसेना की फायर और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने तुरंत आग बुझाने का अभियान शुरू किया था। वायु सेना के मुताबिक इस दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' (जांच समिति) बनाई जा रही है।

प्रशांत सिंह | जितेंद्र शर्मा | खेमाराम कुमावत | दानिश आलम | शुभम कुमार

पहले भी हो चुका है दुर्घटना का शिकार

- 2019: अरुणाचल प्रदेश के मेचुका जाते समय लापता हो गया था। बाद में उसका मलबा पहाड़ों में मिला और उसमें सवार सभी 13 लोगों की मौत हो गई थी।
- 2016 : चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जा रहा एक विमान बंगाल की खाड़ी के ऊपर लापता हो गया था, जिसमें 29 लोग सवार थे। कई वर्षों तक तलाश के बाद भी विमान का पता नहीं चला और सभी को मृत मान लिया गया।

असम में 5 जवान बलिदान

स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक

राजनाथ सिंह

देश उनके साहस-सेवा को हमेशा गर्व व कृतज्ञता से याद करेगा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है।

सोवियत दौर में बना था मालवाहक विमान

एएन-32 विमान, जो सोवियत दौर में बना था, भारतीय वायुसेना के लिए कई दशकों से एक अहम ट्रांसपोर्ट विमान रहा है। खासतौर पर पूर्वोत्तर और पहाड़ी इलाकों में सामान और जवानों को पहुंचाने में इसका बड़ा योगदान रहा है। लेकिन इसके साथ पहले भी कई हादसे जुड़े रहे हैं, जिससे इसकी सुरक्षा को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। एएन-32 भारतीय वायुसेना का मध्यम श्रेणी का जुड़वां इंजन वाला परिवहन विमान है, जिसे मूल रूप से तत्कालीन सोवियत संघ के एंटोनोव डिजाइन ब्यूरो ने विकसित किया था। यह विमान कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और ऊंचाई वाले इलाकों में भी संचालन के लिए जाना जाता है। यह अपेक्षाकृत छोटे और कच्चे रनवे से भी उड़ान भरने और उतरने में सक्षम माना जाता है, जिससे पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता काफी बढ़ जाती है। यह विमान लगभग 40 से अधिक सैनिकों या कई टन तक सैन्य सामान ले जाने की क्षमता रखता है।

रेल परियोजना से जशपुर के विकास को मिलेगी नई गति : सीएम साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्र सरकार ने परियोजना को विशेष रेल परियोजना के रूप में किया अधिसूचित

जशपुर को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग हुआ प्रशस्त

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई रेल लाइन परियोजना को केंद्र सरकार द्वारा विशेष रेल परियोजना के रूप में अधिसूचित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय जशपुर सहित पूरे उत्तर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए ऐतिहासिक साबित होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से जशपुर के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। लंबे समय से रेल संपर्क की प्रतीक्षा कर रहे जशपुर जिले को इस परियोजना के माध्यम से पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे क्षेत्र की जनता को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

यह होगा लाभ

साय ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, पर्यटन संभावनाओं और सांस्कृतिक वैभव से समृद्ध जशपुर इस रेल परियोजना के माध्यम से देश के प्रमुख आर्थिक एवं औद्योगिक केंद्रों से बेहतर रूप से जुड़ सकेगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, व्यापार, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे तथा वनांचल क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

छत्तीसगढ़ का विकास प्राथमिकता

साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के विकास को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। रेल, सड़क, ऊर्जा और अन्य आधारभूत अधोसंरचना परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजना इसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है।

देश को पहली बार आईएमए से मिलीं नौ महिला सैन्य अफसर

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को एक और इतिहास रचा गया। अकादमी की पासिंग आउट परेड में पहली बार नौ महिला सैन्य अफसर पासआउट होकर भारतीय सेना का हिस्सा बनीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में कुल 515 जेंटलमैन कैडेट्स ने अंतिम पग पार कर सैन्य जीवन की नई शुरुआत की। इनमें 481 भारतीय कैडेट और 16 मित्र देशों के 34 कैडेट शामिल रहे। परेड के बाद पीपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें नव नियुक्त सैन्य अधिकारियों के कंधों पर रैंक सजाई गई।

HMS
घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

भारत पांचवां देश

डिफेंस सिस्टम और रुद्रम-2 मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने दुश्मन के अलग-अलग तरह के खतरों के खिलाफ देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने वाली कई अहम तकनीकों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। भारत अब उन खास देशों के ग्रुप में शामिल हो गया है, जिनके पास ऑपरेशनल-लेवल की बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता है। भारत से पहले यह तकनीक अमेरिका, रूस, इजराइल और चीन के पास थी। लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और मध्यम दूरी पर एंटी-शिप क्षमता के खिलाफ मल्टी-लेयर्ड डिफेंस का प्रदर्शन करने के लिए 10 और 11 जून 2026 को लगातार तीन फ्लाइट टेस्ट किए गए।

भारत को मिला खास मुकाम

इन परीक्षणों ने देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है, जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) तक को रोकने की क्षमता वाली बीएमडी प्रणाली मौजूद है। नेवल एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज (एनएसएम-एमआर) का पहला फ्लाइट टेस्ट भी सफलतापूर्वक किया गया।

इन फ्लाइट टेस्ट को डीआरडीओ और रक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

विश्व रक्तदाता दिवस विशेष

ऐसे समय में जब सामाजिक सरोकारों की जगह सिमट रही है, निजी व्यस्तताएं बढ़ती जा रही हैं। हर कर्म में धन का भाव बढ़ रहा है, तब भी कुछ लोग हैं जो किसी अनजान व्यक्ति की जिंदगी बचाने के लिए आधी रात को घर से निकल पड़ते हैं। किसी के लिए बहन को खोने का दर्द प्रेरणा बना, किसी ने मां के इलाज के दौरान रक्त का महत्व समझा, तो किसी ने तीन दशक पहले लिया संकल्प आज तक नहीं छोड़ा।

ऐसे रक्तवीर...

कई ऐसे लोग... जिन्होंने रक्तदान को सेवा नहीं, अपने जीवन का बना लिया है मिशन

जो अपना काम छोड़कर दौड़ पड़ते हैं लोगों की जिंदगी बचाने

विश्व रक्तदाता दिवस पर प्रदेश के ऐसे ही रक्तवीरों की कहानियां सामने आती हैं, जिन्होंने रक्तदान को केवल सेवा नहीं, बल्कि जीवन का मिशन बना लिया है। उनके प्रयासों से हजारों लोगों को नया जीवन मिला है और मानवता पर भरोसा कायम हुआ है। विश्व रक्तदाता दिवस पर प्रस्तुत हैं प्रेरणा देने वाली कहानियां:

रायपुर- विकास शर्मा एवं लवकुश शुक्ला/बिलासपुर- विकास चौबे/रायगढ़-प्रतीक मिश्रा/जांजगीर- चांपा- अभिषेक शुक्ला/ भिलाई-संदीप उपाध्याय/ कवर्धा- महेश मिश्रा/ धमतरी-संतोष सोनकर/बालोद-ओम टुवानी/राजनांदगांव-हफीज खान और गरियाबंद- गोरेलाल सिन्हा की रिपोर्ट

रायपुर, एम. वासुदेव राव

बेटी को खोने का दर्द बना प्रेरणा 190 बार किया रक्तदान

रायपुर के एम. वासुदेव राव, अंकित फूलझेले और राहुल शर्मा ऐसे ही रक्तवीर हैं, जो जरूरत पड़ने पर नौकरी, कारोबार और निजी काम से पहले किसी अनजान मरीज की जिंदगी को प्राथमिकता देते हैं। रेलवे लोको शेड डब्ल्यूआरएस में सीनियर टेक्निशियन एम. वासुदेव राव की जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा बना। करीब 26 वर्ष पहले रक्त नहीं मिलने के कारण उन्होंने अपनी प्री-मेच्योर बेटी को खो दिया था। उस घटना ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। उन्होंने संकल्प लिया कि किसी और परिवार को यह दर्द न सहना पड़े। उन्होंने जनवरी 2009 में ओम सांई रक्तदाता सेवार्थ समिति की स्थापना की। वासुदेव राव स्वयं अब तक 190 बार रक्तदान कर चुके हैं।

क्लाइंट मीटिंग छूटी, पर किसी को मिला जीवनदान

● *रायपुर, अंकित फूलझेले*

तीन बार क्लाइंट खोए, लेकिन किसी की जिंदगी बच गई सॉफ्टवेयर एजेंसी संचालक अंकित फूलझेले भी रक्तदान को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानते हैं। अब तक 65 बार रक्तदान कर चुके अंकित बताते हैं कि कई बार रक्तदान के लिए निकलने के कारण तय समय पर क्लाइंट मीटिंग में नहीं पहुंच पाए और काम हाथ से निकल गया। इसके बावजूद उन्हें कभी पछतावा नहीं हुआ। वे विशेष रूप से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और मरीजों की मदद को प्राथमिकता देते हैं। उनका कहना है कि इन परिवारों की सबसे बड़ी चिंता नियमित अंतराल पर रक्त की व्यवस्था करना होती है। ऐसे में यदि उनका थोड़ा सा समय किसी की जिंदगी आसान बना सकता है, तो इससे बड़ा संतोष कुछ नहीं।

छुट्टी लेकर करते हैं रक्तदान, 60 बार बचाई जरूरतमंदों की जिंदगी

● *रायपुर, राहुल शर्मा*

मां की जरूरत ने बदल दी जिंदगी की दिशा सन्यासीपारा निवासी राहुल शर्मा के लिए रक्तदान की शुरुआत एक व्यक्तिगत अनुभव से हुई। लगभग 12 वर्ष पहले चेन्नई में मां के इलाज के दौरान उन्हें तत्काल रक्त की जरूरत पड़ी, लेकिन समय पर रक्तदाता नहीं मिल रहे थे। उस परेशानी ने उन्हें यह एहसास कराया कि संकट की घड़ी में रक्त की उपलब्धता कितनी महत्वपूर्ण होती है। तभी उन्होंने तय किया कि भविष्य में किसी जरूरतमंद को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े। तब से अब तक वे 60 बार रक्तदान कर चुके हैं। फाइनेंस कंपनी में कार्यरत राहुल बताते हैं कि निजी क्षेत्र में हर बार रक्तदान के लिए विशेष सुविधा नहीं मिलती, इसलिए कई बार छुट्टी लेकर जाना पड़ता है। वे सड़क दुर्घटना के मरीजों को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि वहां हर मिनट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय कर सकता है।

अंकित फूलझेले

राहुल शर्मा

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे को आठ साल में 25 बार रक्तदान

रायपुर के 32 वर्षीय विकास सिंह ठाकुर अब तक 50 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। उनकी सबसे भावुक कहानी धमतरी के एक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे से जुड़ी है। लगभग आठ वर्ष पहले उन्होंने उस बच्चे के लिए पहली बार रक्तदान किया था। तब वह बच्चा 10 वर्ष का था, जो आज 18 साल का युवा बन चुका है। विकास अब तक उसकी जरूरतों के लिए 25 बार रक्तदान कर चुके हैं। समय के साथ यह संबंध रक्तदाता और मरीज का नहीं, बल्कि परिवार ▶▶शेष पेज 5 पर

दुर्लभ रक्त समूह, अनोखी सेवा 29 यूनिट बॉम्बे ब्लड ग्रुप रक्तदान

ब्लड डोनर फाउंडेशन के अध्यक्ष विवेक साहू उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिनका रक्त समूह 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' है। यह दुनिया के सबसे दुर्लभ रक्त समूहों में माना जाता है। यही कारण है कि वे इसकी अहमियत को बेहतर ढंग से समझते हैं। विवेक बताते हैं कि जरूरत पड़ने पर उनकी टीम के सदस्य अपना काम छोड़कर दूसरे शहरों तक पहुंच जाते हैं। संगठन अब तक 3 हजार यूनिट से अधिक रक्तदान कर चुका है। इसमें दुर्लभ बांबे ब्लड ग्रुप के 29 यूनिट रक्तदान भी शामिल हैं। ▶▶शेष पेज 5 पर

मरीज की बेबसी ने बदली जिंदगी रक्तदान बन गया सेवा का संकल्प

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिराज और उनके साथी वर्षों से जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान कर रहे हैं। सिराज बताते हैं कि एक बार अस्पताल में अपने परिचित से मिलने गए थे, जहां दूसरे शहर से आए एक मरीज का ऑपरेशन केवल रक्तदाता नहीं मिलने के कारण रुका हुआ था। मरीज और उसके परिवार की बेबसी ने उन्हें भीतर तक प्रभावित किया। उन्होंने स्वयं रक्तदान किया और उसके बाद से यह सिलसिला लगातार जारी है। संगठन के माध्यम से अब तक करीब 5 हजार यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाया जा चुका है। सिराज ▶▶शेष पेज 5 पर

रक्त की कमी से जूझ रहे लोगों की मदद करना समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी

बीएससी के छात्र मोहित ने पहली बार अपने एक रिश्तेदार के लिए रक्तदान किया था। इसके बाद उन्होंने महसूस किया कि रक्त की कमी से जूझ रहे लोगों की मदद करना समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी है। आज जरूरत पड़ने पर वे और उनके साथी अस्पतालों तक पहुंचकर रक्तदान करते हैं। उनका मानना है कि कुछ मिनट का समय और थोड़ी सी संवेदनशीलता किसी परिवार के लिए पूरी दुनिया बदल सकती है।

भिलाई

पहले रक्तदान किया फिर मंडप पर बैठे

भिलाई-दुर्ग में कुछ ऐसे भी रक्तवीर हैं, जिन्होंने रक्तदान कर दूसरों की जान बचाना अपने जीवन के बड़े कामो से भी आगे रखा है। किसी ने रक्तदान किया उसके बाद शादी की, तो किसी ने कोविड जैसे संकट के समय में अपनी जीवन को संकट में डालते हुए भी रक्तदान किया और दूसरों की जान को बचाया है। 57 वर्षीय धर्मेंद्र शाह का ब्लड ग्रुप रेयर यानि ओ निगेटिव है। दुर्ग के निवासी हैं। उन्होंने अपने जीवन में 103 बर ब्लड डोनेट किया है। धर्मेंद्र यूं तो लगभग हर तीन माह में रक्तदान करते हैं, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि उनके लिए जीवन के सभी बड़े काम से बड़ा रक्तदान करना है। 1997 में उनकी शादी हुई। उन्होंने बताया कि शादी के दिन उन्होंने कॉल आने पर पहले जाकर ब्लड डोनेट किया, उसके बाद शादी के मंडप पर बैठे।

कोविड के संकटमय समय में भी रक्तदान करने पहुंचा

भिलाई के रहने वाले मोहित अग्रवाल जिले में सबसे अधिक बार रक्तदान करने वाले हैं। वो अबतक 128 बार रक्तदान कर चुके हैं और 129वीं बार देने वाले हैं। पेशे से ट्रांसपोटर मोहित ने बताया कि उन्होंने कोविड जैसे संकटमय समय में भी ब्लड डोनेट करना सबसे जरूरी समझा। उनके एक मित्र की मां अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें ब्लड की जरूरत थी तो उस संकटमय समय में वो अस्पताल पहुंचे और दोस्त की मां को बल्ड डोनेट किया।

मेहनतकश की बेटी को रक्तदान कर बचाई जान

दुर्ग में जलाराम मिष्ठान भंडार के संचालक राज आढ़तिया 1992 से रक्तदान करते आ रहे हैं। उन्होंने अब तक 125 बार रक्तदान किया है। उनका ब्लड ग्रुप ओ पॉजिटिव है। वो हर तीन माह में रेगुलर ब्लड डोनेट करते हैं। राज ने बताया कि इंदिरा मार्केट दुर्ग में उनकी दुकान के पास एक मेहनतकश बैठता था। उसकी बेटी को सिकलसेल की बीमारी थी। एक समय वो ब्लड के लिए काफी परेशान था। तब उन्होंने पहली बार ब्लड देकर उस बच्ची की जान बचाने का प्रयास किया। राज ने बताया कि उनके परिवार में 112 सदस्य हैं और 54 लोग ब्लड डोनेट करते हैं।

गरियाबंदः एक फोन और 70 किलोमीटर का सफर

गरियाबंद में सक्रिय याशीष फाउंडेशन के स्वयंसेवकों के लिए रक्तदान सेवा नहीं, जिम्मेदारी है। बीते सात महीनों में संस्था ने 50 रक्तदान शिविर आयोजित किए और 800 से अधिक मरीजों तक रक्त पहुंचाया। संस्था से जुड़े स्वयंसेवकों की कई कहानियां लोगों को भावुक कर देती हैं। एक गंभीर मरीज के लिए देर रात दुर्लभ रक्त समूह की जरूरत पड़ने पर एक रक्तदाता 70 किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंच गया और रक्तदान कर मरीज की जान बचाई। यही वजह है कि जरूरतमंद परिवार ऐसे लोगों को देवदूत मानते हैं।

रक्त की कमी देखी तो बिलासपुर की बेटियों ने संभाली कमान

रक्तदान को लंबे समय तक पुरुषों से जुड़ी सामाजिक पहल माना जाता रहा, लेकिन अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। बिलासपुर की महिलाएं न केवल रक्तदान के प्रति जागरूक हुई हैं, बल्कि नियमित रक्तदाता बनकर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन की उम्मीद भी बन रही हैं। शहर के ब्लड बैंकों में रक्त की कमी की जानकारी मिलने पर ये महिलाएं स्वप्रेरित होकर शिविरों में पहुंचती हैं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करती हैं। 34 बार रक्तदान, मरीजों का दर्द बना प्रेरणा सिरगिट्टी निवासी मनमीत कौर अब तक 34 बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनका कहना है कि कई बार उन्होंने केवल रक्त नहीं मिलने के कारण मरीजों को जिंदगी की जंग हारते देखा है। ऐसे परिवारों की पीड़ा उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित करती है। वे मानती हैं कि नियमित रक्तदान न केवल किसी की जान बचाता है, बल्कि रक्तदाता को भी मानसिक ▶▶शेष पेज 5 पर

अपने खर्च पर धमतरी, दुर्ग कांकेर रायपुर तक रक्तदान

बालोद

बालोद जिले के गुरूर विकासखंड निवासी 51 वर्षीय चौलेश कुमार देशमुख पिछले लगभग तीन दशक से रक्तदान कर रहे हैं। वर्ष 1997 में शुरू हुआ यह सफर अब तक 57 रक्तदान तक पहुंच चुका है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े चौलेश बताते हैं कि पहली बार उन्होंने अपने चाचा के लिए रक्तदान किया था। उस समय रक्तदाताओं की भारी कमी थी और मरीजों के परिजन रक्त के लिए भटकते थे। इसके बाद उन्होंने संकल्प लिया ▶▶शेष पेज 5 पर

मां के लिए रक्त की तलाश ने खड़ा कर दिया बड़ा अभियान

राजनांदगांव

राजनांदगांव के नागेश यदु के जीवन में रक्तदान का महत्व तब समझ आया जब वर्ष 2008 में उनकी मां अस्पताल में भर्ती थीं और उन्हें चार यूनिट रक्त की जरूरत पड़ी। उस समय उनके दोस्तों ने आगे आकर रक्तदान किया। इसी घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। नागेश ने वर्ष 2013 में 'छात्र युवा मंच' की स्थापना की। आज इस संगठन से प्रदेश के विभिन्न जिलों के 5 हजार से अधिक सदस्य ▶▶शेष पेज 5 पर

रक्तदान से जनसेवा तक, सैकड़ों जरूरतमंदों की बनी जीवनरेखा

धमतरी

गौ सेवा आयोग के जिला अध्यक्ष हेमराज सोनी अब तक 80 बार रक्तदान कर चुके हैं। इसके लिए उन्हें 2014 में राज्यपाल द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। श्री सोनी ने बताया कि हमारी आस्था मंच संस्था चलती है। डिमांड आने पर संस्था की ओर से ब्लड डोनेट किया जाता है। इमरजेंसी फोन आने पर कई बार रायपुर, राजनांदगांव व दुर्ग तक जाकर मरीज को रक्तदान किए हैं। वहीं रामबाग निवासी दिनेश पटवा अब तक 52 बार रक्तदान कर चुके हैं। रक्तदान करने रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव तक गया हूं। रक्तदान के दौरान यादगार घटना को याद कर ▶▶शेष पेज 5 पर

रायपुर से जगदलपुर तक पहुंचे रक्तदान करने

कवर्धा

नगर पालिका कवर्धा में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत बृजमोहन कुम्भकार ने नियमित रक्तदान के माध्यम से समाज सेवा की प्रेरणादायी मिसाल पेश की है। उन्होंने कक्षा 12वीं में पहली बार रक्तदान किया था और तब से अब तक 32 बार रक्तदान कर अनेक जरूरतमंद मरीजों की मदद कर चुके हैं। बृजमोहन कुम्भकार बताते हैं कि रक्तदान के प्रति उन्हें उनके कक्षा शिक्षक गणेश शरण सोनी से प्रेरणा मिली। उन्होंने रायपुर, जगदलपुर और कवर्धा सहित विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया है। विशेष रूप से ▶▶शेष पेज 5 पर

गिरिराज बोले- मोदी ने गरीबी को जिया, राहुल तो गरीबी को समझने जाते हैं गरीबों के घर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 सालों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा, हमारे प्रधानमंत्री खुद एक गरीब घर में पैदा हुए। उन्होंने गरीबी को जिया है, इसलिए गरीबों का दर्द समझते हैं। गरीबों के लिए जैसा काम मोदी सरकार में हुआ है, वैसे पहले कभी नहीं हुआ। कांग्रेस शासन में केवल गरीबी को कम करने की बात होती थी, गरीबों के लिए काम कभी नहीं किए गए। मोदी सरकार में 25 करोड़ गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। ▶▶शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी प्रधानमंत्री की 12 साल की उलब्धियों को विस्तार से बताया

मोदी के नेतृत्व में नया भारत बन रहा : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को प्रधानमंत्री नहीं बल्कि देश का प्रधान सेवक मानते हैं। यही नहीं वे देशवासियों को अपने परिवार का सदस्य समझते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक नया भारत बन रहा है, जो समृद्ध, मजबूत और सुरक्षित है। देश में 58 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए हैं। 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिल रहा है और 60 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी ▶▶शेष पेज 5 पर

स्कूल चलें हम...

किस्त 8

बैकुण्ठपुर

कई स्कूल बिल्डिंग में टपक रही छतें, दरकी दीवारों के बीच पढ़ाई करेंगे बच्चे

नए शिक्षा सत्र पर जर्जर भवनों का साया मरम्मत के इंतजार में कोरिया के 205 स्कूल

प्रवीन्द, सिंह ▶▶ बैकुण्ठपुर

नए शिक्षा सत्र की शुरुआत में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन कोरिया जिले के 205 विद्यालय अब भी जर्जर भवनों की समस्या से जूझ रहे हैं। आगामी 16 जून से स्कूल खुलने पर हजारों विद्यार्थियों को टपकती छतों, उखड़ते प्लास्टर और दरकी दीवारों के बीच पढ़ाई करनी पड़ेगी। भवनों की मरम्मत के लिए प्रस्ताव और दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई स्कूलों में अब भी सुधार कार्य की दरकार है। वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूल भवनों की छतों का प्लास्टर उखड़ चुका है। दीवारों में दरारें आ गई हैं। बारिश के दौरान पानी टपकने की समस्या बनी हुई है। ▶▶शेष पेज 5 पर

कमियों को दूर किया जाएगा

बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यालयों में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। हाल ही में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गई है। नए शिक्षा सत्र में भवन सहित जो भी कमियां होंगी, उन्हें दूर कराया जाएगा।

-श्रीमती रोक्तिमा यादव, कलेक्टर, कोरिया

अब तक नहीं बदली स्थिति

जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना सहित अन्य मदों से राशि स्वीकृत किए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जिले में बड़ी संख्या में विद्यालय अब भी मरम्मत की राह देख रहे हैं। कई स्थानों पर प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी के कारण निर्माण और मरम्मत कार्य समय पर पूरे नहीं हो सके हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नए सत्र के लिए जर्जर भवनों का स्टीमेट तैयार कर संबंधित विभाग को भेज दिया गया है।

भारत ने पहली बार अपने 12 परमाणु हथियारों को सक्रिय स्थिति में रखा है। अब देश के शस्त्रागार को केवल 'भंडारित' के बजाय 'परिचालन रूप से तैनात' माना गया है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम चीन और पाकिस्तान की ओर से बढ़ते खतरों के बीच भारत की द्वितीय-प्रहार क्षमता को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। अब हमारे पास 190 परमाणु बम हैं। हालांकि, 2003 में उद्घोषित की गई अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति के तहत भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। देश पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। बेशक, रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी देश को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

आक्रामक हुई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति !

विश्लेषण
प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभरा है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम की सक्रिय स्थिति में तैनाती के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया गया है।

विश्व पटल पर यक्ष प्रश्न उभरा है कि क्या भारत द्वारा अपनी परंपरागत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का परित्याग कर दिया गया है? क्या भारत अब रक्षात्मक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के स्थान पर आक्रामक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का अनुसरण करेगा? यह यक्ष प्रश्न तब उभर कर विश्व के सामने उपस्थित हुआ है, जबकि स्वीडन के स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट संक्षेप में एसआईपीआरआई द्वारा इस ज्वलंत तथ्य को उद्घाटित किया गया कि आधुनिक इतिहास में पहली दफा भारत द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों पर लैस करके 12 न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों को सक्रिय स्थिति में अपने सुरक्षात्मक मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है।

गौरतलब है कि एसआईपीआरआई विश्व स्तर पर आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्रों की खरीद फरोख्त और विश्व पटल पर अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण पर खर्च की जाने वाली अकूत धन दौलत का जायजा लेने के लिए शोध कार्य अंजाम देता है। एसआईपीआरआई के बताए तथ्यों का भारत सरकार द्वारा कदाचित खंडन नहीं किया गया है। अतः अंतरराष्ट्रीय तौर पर इस तथ्य को स्वीकार कर लिया गया है कि अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन और उत्तरी कोरिया की तरह भारत ने भी अपने न्यूक्लियर बमों को बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके अपने सैन्य सुरक्षा मोर्चों पर बाकायदा तैनात कर दिया है। अभी तक सभी बैलिस्टिक मिसाइल और न्यूक्लियर बम भारत के अलग-अलग अस्त्र शस्त्र सैन्य गोदामों में सुरक्षित रखे गए थे। न्यूक्लियर बम को सक्रिय स्थिति में तैनात करने के निर्णय को भारत की राष्ट्रीय सैन्य सुरक्षा रणनीति में बुनियादी बदलाव करार दिया जा रहा है।

सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के इस बदलाव से क्या यह समझ लिया जाए कि भारत परंपरागत सुरक्षात्मक सैन्य रणनीति का परित्याग करके, क्या भारत आक्रामक सैन्य सुरक्षा रणनीति की तरफ बढ़ गया है? सन् 2003 में भारत ने अपने परमाणु सैन्य रणनीति का सैद्धांतिक तौर पर खुलासा कर दिया था। भारत सरकार द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में बाकायदा ऐलान किया गया था कि भारत द्वारा न्यूक्लियर अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग तभी किया जाएगा, जब भारत पर न्यूक्लियर आक्रमण अंजाम दिया जाएगा। भारत अपनी तरफ से प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा। भारत आज 2003 में उद्घोषित की गई, अपनी परमाणु सैन्य सुरक्षा रणनीति पर बाकायदा कायम है। भारत द्वारा परमाणु अस्त्र-शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के निर्णय ने वस्तुतः सारी दुनिया को अचंभित किया है। क्योंकि भारत को विश्व पटल पर शांति का मसीहा और बुद्ध और गांधी का देश स्वीकार किया जाता है।

अपनी घोषित नीति पर अडिग

अन्याय पूर्ण हिंसक आक्रमण का जवाब न्यायपूर्ण प्रतिहिंसक कार्यवाही द्वारा प्रदान करने का सैद्धांतिक आधार महात्मा बुद्ध द्वारा ही प्रतिपादित किया गया था और महात्मा गांधी द्वारा भी कायरता और हिंसा के मध्य विकल्प चुनने की स्थिति में हिंसा को ही विकल्प चुनने के लिए कहा था। न्यूक्लियर अस्त्र शस्त्रों की सैन्य मोर्चे पर तैनाती के बावजूद न्यूक्लियर बम द्वारा पहले इस्तेमाल करके प्रहार न करने की अपनी घोषित नीति पर भारत सदैव डटा रहेगा। अतः यह कहना एकदम अनुचित होगा कि भारत ने अपनी सुरक्षा सैन्य रणनीति में कोई बुनियादी बदलाव अंजाम दिया है। भारत की परमाणु बमों से लैस पनडुब्बियां क्रमशः आईएनएस अरिहंत, आईएनएस अरिघात और आईएनएस अरिदमन हैं, जो कि हिंद महासागर में तैनात कर दी गई। परमाणु अस्त्र शस्त्रों के जो आंकड़े विश्व पटल पर उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक विश्व के परमाणु बमों से लैस देशों के पास कुल मिलाकर 12187 परमाणु बमों का जखीरा विद्यमान हैं।

हमारे पास 190 परमाणु बम

परमाणु बमों की संख्या में से तकरीबन 4012 सैन्य मोर्चेबंदी पर तैनात किए गए हैं। तकरीबन 2200 परमाणु बमों को हाई रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ सन्नद करके हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि उनको किसी भी वक्त दागा जा सके। रूस के पास अनुमानित तौर पर 6700 परमाणु बम हैं। अमेरिका के पास अनुमानित तौर से 5500 परमाणु बम हैं। चीन के पास अनुमानित रूप से तकरीबन 685 परमाणु बम हैं। भारत के पास केवल 190 परमाणु बम हैं और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु बम हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च अमेरिका करता है जो कि 954 बिलियन डॉलर है। भारत द्वारा वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए हैं। परमाणु संपन्न देश बनने के लिए भारत की ऐतिहासिक यात्रा अत्यंत दुश्वार और कठिनाइयों से परिपूर्ण रही है। विश्व पटल पर सबसे पहला परमाणु बम अमेरिका द्वारा वैज्ञानिक ओपनहाइमर के निर्देशन में निर्मित किया गया था। भारत को परमाणु संपन्न देश बनने की राह में सबसे अधिक रुकावट अमेरिका द्वारा ही उत्पन्न की गई थी। जबकि पाकिस्तान को परमाणु संपन्न देश बनाने में सबसे अधिक मदद भी अमेरिका द्वारा की गई। चीन द्वारा जब सन् 1964 में कामयाब परमाणु परीक्षण करके परमाणु बम निर्मित कर लिए गए तो फिर भारत ने भी परमाणु संपन्न देश बनने की दिशा में सोचना प्रारंभ किया।

पाकिस्तान को बड़ा पैगाम

भारत द्वारा फिलहाल 12 परमाणु बमों की राष्ट्रीय सुरक्षा मोर्चे पर तैनाती वस्तुतः पाकिस्तान को सबसे बड़ा पैगाम है, क्योंकि पाकिस्तान प्रायः भारत को परमाणु बम आक्रमण की धमकियां दिया कर है। लॉन्ग रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ परमाणु बम को सन्नद करने का भारतीय निर्णय यकीनन विस्तारवादी चीन को भी एक स्पष्ट पैगाम है। अब चीन का हर इलाका भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आ गया है। अपनी ऐतिहासिक परंपराओं का निर्वाह करते हुए, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति कदापि आक्रमणकारी नहीं होगी, किंतु अपनी राष्ट्रीय रक्षात्मक रणनीति के तहत परमाणु बम का इस्तेमाल करने में जरा भी संकोच नहीं करेगी।

खास बातें

- वर्तमान बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए केवल 93 बिलियन डॉलर रखे गए
- भारत ने सन् 2003 में घोषित की थी अपनी परमाणु सैन्य रणनीति
- प्रथमतः न्यूक्लियर अस्त्रों का कदाचित इस्तेमाल नहीं करेगा देश
- अब पाक के साथ चीन का इलाका भी भारतीय परमाणु बमों की रेंज में आया

प्रारंभ हुई 'मेक इन इंडिया' की उपलब्धि

सफलता
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

गुजरात के वडोदरा में भारत के रक्षा निर्माण क्षेत्र ने एक नए इतिहास की रचना की है। भारत में निर्मित सी-295 सैन्य परिवहन विमान सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर चुका है। यह विमान गुजरात के वडोदरा स्थित फाइनल असेंबली लाइन से उड़ान भरकर 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है। टाटा और एयरबस की साझेदारी से बने इस प्रोजेक्ट में 56 विमान बनाए जाएंगे। मेक इन इंडिया की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। इसके अंतर्गत वर्तमान में यह योजना 27 प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, लेकिन विमान के क्षेत्र में यह पहली बार हुआ और सरकार इसको अपना सबसे बड़ा प्रोडक्ट बताने में सार्थक हुई। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि यदि सरकार का यह कदम सार्थक सिद्ध हो गया तो निश्चित तौर पर विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बड़े स्तर पर दर्ज हो जाएगी, लेकिन सवाल यही है कि क्या एक परीक्षण से इसको सफल मान लिया जाए या अभी और प्रतीक्षा करनी चाहिए। हालांकि संबंधित अधिकारियों के अनुसार यह हर तकनीकी पहलू में पास हो चुका है, तभी इसकी सफलतापूर्वक उड़ान हुई है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस सफल परीक्षण उड़ान के बाद यह कार्यक्रम अब अपने अगले चरण में पहुंच गया है और उम्मीद है कि इसी साल भारतीय वायुसेना को भारत में बना पहला सी-295 विमान सौंप दिया जाएगा। भारतीय वायुसेना वर्तमान में मुख्य रूप से यूक्रेन, रूस, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, और स्वदेशी रूप से भारत में निर्मित विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करती है, जो सभी एक विशेष विमान हैं और इस श्रृंखला में सी-295 भी शामिल होने जा रहा है। यह पूरा कार्यक्रम करीब इक्कीस हजार करोड़ रुपये का है, जिसके तहत कुल सी-295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। यह विमान भारतीय वायुसेना के पुराने एवीआरओ-748 विमानों की जगह लेंगे, जो 1960 के दशक से सेवा में हैं। यदि यह विमान संपूर्ण रूप से वर्चस्व में आ जाता है तो देश को सालाना कई अरबों का फायदा हो सकता है। चूंकि इस तरह के विमानों को हम विदेशों से ही खरीदते हैं, जिससे कई अरब रुपये बाहर चला जाता है। यदि यही पैसा देश में रहता है तो हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत होगी। यदि भारत में विमानों के पार्ट्स अपने वाहनों के अलावा बनाने के लिए बाहरी देशों में बेचें जाए तो इससे भी भारत को आर्थिक तौर पर मजबूती मिलेगी। जैसा कि बताया जा रहा है कि नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने की क्षमता, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है और करीब 37 भारतीय कंपनियां इस सप्लाई चेन का हिस्सा हैं। यदि 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण करने में सार्थक हो चुके और सभी संबंधित कंपनियां भारतीय हैं तो सफलता का स्तर बहुत बड़ा व सक्षम भविष्य के लिए अच्छा संकेत हैं। वैसे तो बीते कई वर्षों से हम बहुत सारी ऐसी चीजों का निर्माण कर रहे हैं जिससे बाहरी आत्मनिर्भरता धीरे-धीरे खत्म हो रही है। यदि इस विमान के क्षेत्रों में हम संपूर्ण सफलता पा लेते हैं तो यह वाकई नए भारत की नई तस्वीर बन जाएगी। वैसे सी-295 फॉर्मेट पहले से कई देशों में इस्तेमाल हो रहा है। यह विमान सैनिकों और सामान की ढुलाई, मेडिकल इवैक्यूएशन, निगरानी और टोही मिशन के साथ-साथ आपदा राहत और मानवीय सहायता जैसे कार्यों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी विश्वसनीयता और उपयोगिता इसे आधुनिक सैन्य जरूरतों के लिए बेहद उपयोगी बनाती है। इस विमान का फॉर्मेट वैसे तो अपने अपने देश में बनाया हुआ कामयाब है, लेकिन अब भारत की बारी है। इस बार इस विमान को विशेष बनाने के लिए इसे खराब मौसम बचाव, दुर्गम क्षेत्रों (जैसे हिमालय और नॉर्थ-ईस्ट) और छोटी या कच्ची हवाई पट्टियों से आसानी से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह विषम परिस्थिति में क्षतिग्रस्त व प्रभावित न हो। इस विमान को लेकर भारत सरकार व नागरिकों में एक अद्भुत व सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। जहां दशक भर विपक्ष 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को लेकर तंज कसता रहा, वहीं सत्ता पक्ष इस प्रोजेक्ट से मुंहतोड़ जवाब देने की बात कर रहा है। लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि देश की प्रगति करना किसी भी सरकार का धर्म, फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। इसमें न तो विपक्ष सरकार को नीचा दिखाने की कोशिश करे और न ही सरकार इसमें अपने आप शाबाशी ले। आज भारत जैसे देश को हर स्थिति में अपनी सुरक्षा मजबूत करने की अनिवार्यता है। बहरहाल सी-295 के सफल परीक्षण के बाद अब बाकी विमानों की भी प्रतीक्षा रहेगी।

नया सी-295 विमान अधिक दूरी तक उड़ान भरने, ज्यादा भार वहन करने की क्षमता और आधुनिक तकनीकी एवं ऑपरेशनल सिस्टम से लैस है। इससे यह पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य भारत में ही किया जा रहा है।

रक्षा निर्माण क्षमता में आएगी आत्मनिर्भरता

क्षमता
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

इस सूचना से निश्चय ही पूरे देश का आत्मविश्वास बढ़ा होगा कि भारत महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का स्वयं निर्माण करने जा रहा है। इसमें भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकारी विमान निर्माता कंपनी हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की जगह तीन निजी कंपनियों, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, एलएंडटी- बीईएल-डायनामेटिक कंसोर्टियम और भारत फोर्ज-बीईएमएल-डेटा पैटर्न्स कंसोर्टियम को चुना गया है। सरकार की घोषणा के साथ अलग-अलग तरह की टिप्पणियां आ रहीं हैं। 15,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना के तहत चुनी गई प्राइवेट कंपनी आंध्र प्रदेश में एक नई ग्रीनफील्ड सुविधा केंद्र स्थापित करेगी।

इस केंद्र में एएमसीए के पांच प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे। ये निजी कंपनियां रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) के साथ मिलकर काम करेंगी। पूरी परियोजना आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में 650 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही नई सुविधा में किया जाएगा। सरकार ने चुनी गई कंपनियों को पहला प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए 30 महीने की समय सीमा दी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह देश का पहला स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान होगा। यह रक्षा निर्माण क्षमता में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दृष्टि से अब तक का सबसे बड़ा कदम है। जैसा हम जानते हैं कि भारत को अमेरिका और रूस ने एफ-35 और सुखोई-57 विमान देने का ऑफर दिया था, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने घरेलू स्तर पर इसे तैयार करने की ओर कदम बढ़ाया है तो इसका अर्थ है कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा उत्पादन निर्माण एवं निर्यात के क्षेत्र में प्रगति के कारण हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। अभी तक की योजना के अनुसार पहला प्रोटोटाइप 2028 से 2032 के बीच उड़ान भर सकता है, जबकि बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू होने के बाद विमान 2035 के बाद भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकता है। पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी से निर्मित होगा, इसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इससे रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी के एक ऐसे दौर की शुरुआत होगी, जो हम अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में देखते हैं। भारतीय वायुसेना अभी मुख्य रूप से चौथी और 4.5 पीढ़ी के विमानों पर निर्भर है। दूसरी ओर चीन पहले से ही एडवांस स्टेल्थ कॉम्बैट फाइटर का इस्तेमाल कर रहा है और उसने 6वीं पीढ़ी के प्रोटोटाइप जैसे चेंगदू जे-36 और शेनयांग जे-50 भी पेश किए हैं। समाचार यह भी है कि पाकिस्तान आने वाले सालों में चीन के जे-35ए स्टेल्थ फाइटर जेट को अपनी वायुसेना में शामिल कर सकता है। भारत के पास उनके समानांतर स्वयं को सशक्त करने के लिए एक रास्ता बाहर से खरीद का भी था, किंतु जब हम रक्षा बाजार में स्वयं आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम कर रहे हैं, उसमें सफलताएं मिल रही हैं, हमारे वैज्ञानिक तकनीशियन और निजी क्षेत्र भी अपनी उपयोगिता साबित करने का संकेत दे रहे हैं तो फिर हमें स्वयं स्वदेशी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना चाहिए। एचएएल जैसी सार्वजनिक कंपनी पर सारी जिम्मेदारी छोड़कर हम विश्व की रक्षा प्रतिस्पर्धा में खड़ा नहीं हो सकते। निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे लाना और सरकारी कंपनियों के साथ उनकी साझेदारी सबसे व्यावहारिक और उपयुक्त रास्ता है। मुख्य बात कुशलतापूर्वक योजना बनाने और उसके पहले ठोस आधारभूमि तैयार कर लेने में है। कहा जा सकता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत का रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ हो जाएगा तथा यह रक्षा क्षेत्र में निर्यात भी कर सकेगा, इसकी कल्पना पहले नहीं की जा सकती थी। भारत के कुछ ब्रांड ने तो दुनिया में स्थान बनाना आरंभ कर दिया है। ये हैं ब्रह्मोस , पिनाका, आकाश मिसाइलें, स्वाति रडार और 155 एम एडवांस्ड टावर आर्टिरीगंज यानी एटीएजीएस। इन्हें अर्मेनिया से लेकर फिलीपींस तक कई देशों ने अपनी रक्षा प्रणाली में शामिल किया है। इन्हीं आधारों पर भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

भारत ने 2030 तक 50 हजार करोड़ के रक्षा निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसलिए उम्मीद रखनी चाहिए कि नियत समय पर हम पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एएमसीए तैयार कर वायु सेना को सौंपने तथा आगे लड़ाकू विमान के रक्षा बाजार में भी उतरने की क्षमता हासिल कर सकेंगे।

अर्थव्यवस्था-कूटनीति को साधने का उपकरण

रक्षा निर्यात
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ स्तंभकार

एक समय वह था, जब भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर हुआ करता था। सैन्य साजो-सामान व भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सेना विदेशी मुल्कों में निर्मित उपकरणों पर निर्भर रहती थी। आज उच्च तकनीकी विकास, 'आत्म निर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने स्थिति को पूरी तरह पलट दिया है। हथियारों व सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी राष्ट्रों पर निर्भर रहने वाला भारत आज हथियार बाजार का एक बड़ा खिलाड़ी बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 14,802 करोड़ रुपये (62.66 प्रतिशत) अधिक है। अब सरकार ने 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रूपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

साल 2024-25 में रक्षा उत्पादन एक लाख 54 हजार करोड़ रुपये था। दरअसल साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने घरेलू रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने व देश को रक्षा क्षेत्र में निर्यातक (आपूर्तिकर्ता) राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने का रोडमैप तैयार किया। रोडमैप मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के जरिए धरातल पर उतरता दिखाई दिया। रक्षा बाजार में भारत का दबदबा कायम करने के लिए सरकार ने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान जैसे बड़े कदम उठाए। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 74 प्रतिशत तक कर दिया गया । इसका परिणाम यह हुआ कि रक्षा क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के आने से देश में अनुसंधान और विकास में सुधार हुआ और वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनियता बढ़ी। सरकार के इन नीतिगत प्रयासों के परिणामस्वरूप रक्षा उपकरणों का आयात घटा और निर्यात को बढ़ावा मिला।

इन नीतिगत परिवर्तनों के चलते रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत का दबदबा कायम हुआ। सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई रक्षा वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाए । इससे देश के भीतर न केवल रक्षा उपकरणों के निर्माण में तेजी आई बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारत मजबूत हुआ। नई उभरती शक्तियां जो पश्चिमी देशों या अन्य महाशक्तियों पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती थी उनके लिए भारत एक सस्ता और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। इसका एक फायदा यह हुआ कि सहयोगी देशों को रक्षा साजो-सामान और प्रशिक्षण देकर हिंद प्रशात क्षेत्र और अन्य जगहों पर भारत ने अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाया। 80 से अधिक देशों को हथियार और रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। पहले रक्षा उपकरण बनाने का काम केवल सरकारी कंपनियों तक ही सीमित था। जब सरकार ने निजी कंपनियों के लिए रक्षा उद्योग के द्वार खोले, उसके बाद टाटा एडवांस्ट सिस्टम्स (टीएएसएल), लार्सन एंड टुब्रो डिफेंस (एलएंडटी), महिंद्रा डिफेंस सिस्टम, अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एमएसएस डिफेंस, पारस डिफेंस और डेटा पैटर्न्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की भागदीदारी बढ़ने के बाद रक्षा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई। निसंदेह रक्षा निर्यात में हुई इस ऐतिहासिक वृद्धि से न केवल देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की कूटनीतिक साख बढ़ी है। कुल मिलाकर कहा जाए तो भारत का रक्षा क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश कर रहा है।

डोकलाम विवाद और ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन और पाकिस्तान भारत को अलग-अलग मोर्चो पर घेरने की कोशिशों में जुटे हैं। सीमावर्ती राज्यों में कई चरमपंथी संगठन सक्रिय हैं। ऐसे में भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निसंदेह भविष्य में उसके परिणाम सकारात्मक देखने को मिलेंगे। हालांकि रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भारत वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, लेकिन अभी भी भारत को एक लंबा सफर तय करना है। आंकड़े बताते हैं कि सफर लंबा जरूर है, लेकिन मुश्किल नहीं है।

भारत ने भी दुनिया के दूसरे देशों की तरह सेना के आधुनिकीकरण और परंरागत सशस्त्रों के बजाए भविष्य की टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए निवेश करने की जो योजना शुरू की है, निश्चित रूप से भविष्य में उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

अवैध उर्वरक भंडारण पर प्रशासन की कार्रवाई गाड़ाडीह में 585 बोरी खाद जब्त, गोदाम सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने अवैध उर्वरक भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। तहसील देवकर अंतर्गत ग्राम गाड़ाडीह में छापामार कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने 585 बोरी उर्वरक जब्त कर गोदाम को सील कर दिया है।

जब्त उर्वरकों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। गठित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा जिलेभर में उर्वरकों की उपलब्धता, गुणवत्ता और मूल्य नियंत्रण को लेकर लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम गाड़ाडीह में अवैध खाद भंडारण की सूचना मिलने पर उड़नदस्ता दल ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के विपरीत लगभग 585 बोरी (29.25 मीट्रिक टन) बायो पोटाश एवं बायो ऑर्गेनिक फास्फेट का अवैध भंडारण पाया गया। अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संपूर्ण उर्वरक सामग्री जब्त कर संबंधित गोदाम को सील कर दिया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई निजी कृषि केंद्र, उर्वरक विक्रेता या सहकारी संस्था निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर खाद बेचते, जमाखोरी करते अथवा अमानक उर्वरकों का व्यापार करते पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर न्यायालयीन कार्रवाई भी की जाएगी।

जमीन के टुकड़े ने तोड़ा खून का रिश्ता, बड़े भाई की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले के ग्राम ढारा में शनिवार को जमीन विवाद ने ऐसा भयावह और दर्दनाक मोड़ ले लिया, जिसने रिश्तों की मर्यादा को ही तार-तार कर दिया। जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच एक छोटे भाई ने अपने ही सगे बड़े भाई की गैती से हमला कर निर्मम हत्या कर दी।

दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आरोपी भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेमेतरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढारा निवासी 26 वर्षीय प्रदीप साहू और उसके छोटे भाई 19 वर्षीय जलेश्वर साहू के बीच पिछले काफी समय से पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार दोनों भाइयों के बीच कई बार इस मुद्दे को लेकर कहासुनी और तनाव की स्थिति बन चुकी थी। शनिवार दोपहर भी जमीन संबंधी विवाद को लेकर दोनों भाइयों के बीच बहस शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि जलेश्वर ने अपना आपा खो दिया। गुस्से में उसने पास में रखी गैती उठाई और बड़े भाई प्रदीप पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। अचानक हुए इस हमले से प्रदीप गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कुछ ही मिनटों में उजड़ गया परिवार

बताया जाता है कि मृतक प्रदीप साहू अपने पिता भरत साहू के तीन पुत्रों में मंझला था। परिवार में सबसे बड़ा पुत्र तोप सिंह साहू, उसके बाद प्रदीप और सबसे छोटा जलेश्वर है। बड़ा भाई तोप सिंह हाल ही में लगभग 15 दिन पहले बेमेतरा शहर में रहने चला गया था, जबकि प्रदीप और जलेश्वर गांव में ही रह रहे थे। घटना के समय घर में दोनों भाइयों की मां मौजूद नहीं थीं।

पुराने विवाद में महिला की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। शहर में एक महिला की निर्मम हत्या के मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पुराने विवाद के चलते आरोपी ने महिला पर ईंट से प्राणघातक हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। मामले में आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ओपी शर्मा के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली पुलिस ने गंभीर अपराध पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को घेराबंदी कर हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में धारा 103(1) में मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान देवेन्द्र ध्रुव उर्फ डमरू 25 वर्ष पिता बिश्राम ध्रुव निवासी सिविल लाइन बलौदाबाजार के रूप में हुई है। मामले के प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पत्नी पुष्पा ध्रुव एवं आरोपी के बीच पूर्व में प्रेम प्रसंग को लेकर विवाद था, जिसे लेकर परिवार द्वारा पहले भी समझाइश दी गई थी। जानकारी के अनुसार, 11 जून को दोपहर बाद पुराने विवाद के चलते आरोपी ने बलौदाबाजार नगर स्थित घटनास्थल पर पुष्पा ध्रुव पर ईंट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने महिला के चेहरे एवं सिर पर कई प्राणघातक वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और घटनास्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया।

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife पाएं जीतने का मौका चाँदी का सिक्का* और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354I. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Fastest compared to all air-cooled engine motorcycles in the 125cc segment as per internal testing. ^Starting exshowroom price of Xtreme 125R IBS OBD2 variant in Chhattisgarh. #T&C Apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो, 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो, 9289922623, बलौदाबाजार: अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो, 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, डोमुहानी: किरण मोटर्स, 9754069392, लवन: गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरी: श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़ला: विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरिया: अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, डोंगरगांव: किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बैरला: कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोद: नैन ऑटोकेयर, 9425563502, सिमगा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेही: एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरूद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इटपिनार- कांकेर: अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहरा पदर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुड़कुड़: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, साखोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, तालेवाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिम: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसींवा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामा: श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुडिहारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो, 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो, 9289922983

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

टेक्नोसाइंस
प्रतिमा अरोड़ा

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

गजल
सुधा मिश्रा 'तितिक्षा'

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की चिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, झीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये हवाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

स्मरण
अरविंद कुमार

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित है ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा, 'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्मर हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

जैकेट के शेष

हरिभूमि-आईएनएच का...

सेवा में पी विजय, गौ सेवा में रामनारायण मिश्रा, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ के आर गौतम, खेल से पायल मुचाकी, सुरक्षा के क्षेत्र में आरक्षक कुंजाम शामिल हैं।

सुहागिनों को दिए मंगलसूत्र ...

के अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत वितरित किए गए कथित नकली मंगलसूत्र के मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कलेक्टर को पत्र लिखकर उच्चस्तरीय जांच एवं दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की।

पेज एक के शेष

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे .....

का बन गया। विकास बताते हैं कि कम उम्र में ही उन्होंने लोगों को रक्त के लिए भटकते देखा था और तभी मन में रक्तदान की इच्छा जागी थी। 18 वर्ष की आयु पूरी होते ही उन्होंने रक्तदान शुरू किया, जो आज भी जारी है। उनके परिवार में जन्मदिन जैसे अवसर भी रक्तदान के साथ मनाए जाते हैं।

दुर्लभ रक्त समूह, अनोखी ....

उनके अनुसार, दुर्लभ रक्त समूह वाले मरीजों के लिए समय पर रक्त उपलब्ध कराना किसी जीवनदान से कम नहीं होता।

मरीज की बेबसी ....

कहते हैं कि जब किसी परिवार के चेहरे पर राहत दिखाई देती है, तो वही सबसे बड़ा पुरस्कार होता है।

रक्त की कमी .....

संतोष देता है। रेयर ब्लड ग्रुप, फिर भी हमेशा तैयार तिफरा यदुनंदन नगर निवासी रोमा साहू 26 बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनका ब्लड ग्रुप बी-नेगेटिव है, जिसे दुर्लभ रक्त समूहों में गिना जाता है। रोमा कहती हैं कि रेयर ब्लड ग्रुप वाले मरीजों को अक्सर रक्त की व्यवस्था के लिए संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में जब भी जरूरत पड़ती है, वे बिना हिचक रक्तदान के लिए आगे आती हैं। उनके लिए यह सौभाग्य की बात है कि उनका रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में काम आता है। खुद भी रक्तदान, दूसरों को भी प्रेरणा सीपत निवासी और जज्बा ग्रुप की सदस्य पूर्णिमा पाटनवार नई पीढ़ी की उन महिलाओं में शामिल हैं, जिन्होंने रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाया है। अब तक 16 बार रक्तदान कर चुकी पूर्णिमा अपनी सहेलियों, सहपाठियों और युवाओं को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करती हैं। उनका मानना है कि यदि अधिक लोग आगे आएं तो किसी मरीज को रक्त के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। रक्तदान से मिलती है सबसे बड़ी खुशी मोपका निवासी और ख्वाब वेलफेयर फाउंडेशन की सक्रिय सदस्य ईशिता चक्रवर्ती 18 बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनके अनुसार, किसी अनजान व्यक्ति के जीवन को बचाने में योगदान देने का सुख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। वे कहती हैं कि रक्तदान केवल महादान ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

बहन को खोने का दर्द बना मिशन : रायगढ़ के जिला पंचायत में सहायक ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत चंद्रकांत जायसवाल के लिए रक्तदान एक सामाजिक गतिविधि नहीं, बल्कि भावनात्मक संकल्प है। वर्ष 2015 में बड़ी बहन के निधन ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया। उसी दर्द ने उन्हें यह प्रण दिलाया कि जितना संभव हो सके, जरूरतमंदों तक रक्त पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने रक्तदान की शुरुआत वर्ष 2012 में ही कर दी थी, लेकिन बहन के निधन के बाद यह उनके जीवन का मिशन बन गया। उन्होंने मित्रों, सहकर्मियों और परिचितों का नेटवर्क तैयार किया, जो किसी भी जरूरतमंद के लिए हर समय तैयार रहता है। आज वे स्वयं 34 बार रक्तदान कर चुके हैं, जबकि उनके प्रयासों से 400 यूनिट से अधिक रक्तदान कराया जा चुका है। इस तरह वे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 436 लोगों तक जीवन की उम्मीद पहुंचाने में भूमिका निभा चुके हैं।

250 सदस्य, 5 हजार रक्तदान और 7 हजार मरीजों तक मदद : जांजगीर-चांपा में वर्ष 2016 में मात्र 10 लोगों के साथ शुरू हुआ रक्तदाता क्रांति समूह आज 250 से अधिक सदस्यों का परिवार बन चुका है। समूह के सदस्यों ने अब तक 5 हजार से अधिक बार रक्तदान किया है और 7 हजार से अधिक जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाने में मदद की है। समूह के संरक्षक अशोक तिवारी बताते हैं कि इसकी प्रेरणा प्रथम रक्तदाता कमलेश देवांगन से मिली थी। आज यह संगठन केवल रक्तदान तक सीमित नहीं है। सिकल सेल और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की नियमित सहायता से लेकर 130 गरीब परिवारों की अंत्येष्टि तक में संगठन ने सहयोग दिया है। कई सदस्य नेत्रदान का संकल्प भी ले चुके हैं। संगठन का संदेश स्पष्ट है—जीते जी रक्तदान, जाते-जाते नेत्रदान।

अपने खर्च पर ....

कि जब तक संभव होगा, रक्तदान करते रहेंगे। वे अपने खर्च पर धमतरी, दुर्ग, रायपुर, राजनांदगांव, भिलाई और कांकेर जैसे शहरों तक जाकर रक्तदान कर चुके हैं। उनके अनुसार, किसी की जिंदगी बचाने से बड़ा संतोष और कोई नहीं। चौलेश देशमुख बताते हैं - मैं 30 सालों में धमतरी, दुर्ग, रायपुर, राजनांदगांव, भिलाई, कांकेर जैसे दुरस्थ क्षेत्रें में जाकर रक्तदान कर चूका हूं। अपने खर्च से आता जाता हूं। चौलेश बताते हैं कई परिवार जिनके परिजनों को मैनें रक्त दिया वे वर्षों बाद भी मुझे ऐसे सम्मान देते हैं जैसे मैं कोई बहुत बड़ा संत हूं।

मां के लिए ...

जुड़े हुए हैं। संगठन अब तक 145 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित कर चुका है। स्वयं 52 बार रक्तदान कर चुके नागेश ने अपने विवाह के अवसर पर भी रक्तदान शिविर आयोजित कर समाज को सकारात्मक संदेश दिया था।

5000 से अधिक सदस्य करते हैं रक्तदान : रक्तदान शिविर आयोजित करने वाले इस संगठन में राजनांदगाव सहित मुंगेली, कांकेर, बालोद, दुर्ग, भिलाई, रायपुर,बिलासपुर, कवर्धा, धमतरी से भी युवा जुड़े हुए हैं जो जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करते हैं। यह युवा स्वयं के खर्चे पर कई बार एक जिले से दूसरे जिले तक भी रक्तदान के लिए जाते हैं ।

रक्तदान से जनसेवा ....

बताया कि कालेज छात्र रहते एक मित्र के साथ पहली बार 1992 में रक्तदान किया। इसी दौरान पखांजूर का व्यक्ति अपनी पत्नी के ब्लड के लिए अस्पताल से बाहर रिक्शा वालों से विनती कर रहा था। जो उससे पैसों की डिमांड कर रहे थे जिसे देख मैं व मेरे दोस्त ने उसकी पत्नी को रक्तदान किया। इसी तरह जन सेवा के कार्य में हमेशा आगे रहने वाले समाजसेवी शिवा प्रधान रक्त के जरूरतमंदों के लिए लगभग 30 से 40 रक्तदान ग्रुप बनाकर मरीजों की मदद कर रहे हैं। प्रत्येक ग्रुप में 2 से 250 सदस्य हैं।

रायपुर से जगदलपुर ....

रात्रिकालीन आपात स्थितियों में रक्त उपलब्ध कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कई बार प्रसव के दौरान महिलाओं को समय पर रक्त उपलब्ध कराकर उन्होंने जीवन बचाने में सहयोग दिया है।

गिरिराज बोले- मोदी ....

कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी को तो गरीबी को समझने के लिए कभी कलावती के घर जाना पड़ता है, तो कभी कुलियों से मिलते हैं। युवराज ट्रक चालकों की जिंदगी समझने के लिए ट्रकों पर चढ़ते हैं, जबकि मोदी मजदूरों और कुलियों को चाय पिलाते थे। यही दोनों के बीच का अंतर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी प्रधानमंत्री की 12 साल की उपलब्धियों को विस्तार से बताया।

गिरिराज सिंह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा, एक जमाने में एक नारा दिया जाता था, इंदिरा जी को लाएंगे, आधी रोटी खाएंगे, गरीबी को मिटाएंगे। यह नारा, नारा ही रह गया। कांग्रेस के शासन में गरीबों के लिए कुछ किया ही नहीं गया। असली लड़ाई तो प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबी के खिलाफ लड़ी और लोगों को उससे बाहर निकलने में मदद की। हमारे प्रधानमंत्री ने लखपति दीदी जैसी योजनाएं लाने का काम किया है। गरीबों के जीवन को और बेहतर बनाने कई योजनाएं लाई गई हैं।

हमने लगाया जीत का शतक : गिरिराज सिंह ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की जनता कितना पंसद करती है, इसका बड़ा उदाहरण यह है कि पंचायतों से लेकर संसद तक भाजपा ने जीत का शतक लगाया है, जबकि कांग्रेस हार का शतक बना चुकी है। उन्होंने कहा, एक समय देश के मात्र सात राज्यों में हमारी सरकार थी, लेकिन आज देश के 22 राज्यों में भाजपा और यूपीए की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 12 वर्षों में विकास और विरासत दोनों के लिए काम किया है। **आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है देश** : श्री सिंह ने हमारी केंद्र सरकार की विदेश नीति ऐसी है जिसके कारण दुनिया के कई देश भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करना चाहते हैं और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने कहा, कर संग्रह लगभग 80 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 2.42 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। भारत के साथ 22 देश भारतीय रुपए में व्यापार कर रहे हैं, जो हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। मोदी सरकार के कार्यकाल में केंद्रीय बजट 16 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 53.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है। देश की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 4.25 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। उन्होंने दावा किया, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 18 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 83 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। निर्यात भी 28 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 83 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

मोदी के नेतृत्व ....

किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर स्वीकृत किए गए हैं। छत्तीसगढ़ में 18 लाख पीएम आवास को मंजूरी देने का काम हमने किया है। पिछले ढाई साल में हमने 10 लाख 60 हजार पीएम आवास बनाए हैं। लकड़ी जलाने से घर काले होते थे। प्रधानमंत्री ने देश में 11 करोड़ महिलाओं उज्ज्वला योजना में गैस कनेक्शन दिए गए हैं। हर घर पानी के लिए 16 करोड़ घरों में जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ पानी पहुचाया है। शौचालय बनाने का काम पीएम ने किया है। विपक्ष पहले शौचालय के लिए उपहास करता था कि क्या यह पीएम का काम है। 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय का निर्माण देश में हुआ है। पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ 30 लाख लोगों को मिला है। देश में जनजातियों के लिए पीएम मोदी में नेतृत्व का स्वर्णिम काल रहा है। देश की जनजातीय बेटी द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का काम भी इस देश में हुआ है। सबसे विशेष पिछड़ी जनजातीय लोगों का भी कल्याण हुआ है। पीएम के नेतृत्व में देश में लगातार विकास हो रहा है। हर वर्ग के लिए काम हो रहे हैं।

मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का भी विकास : मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास की अवधारणा को धरातल में उतारने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री मोदी के संवेदनक्षम नेतृत्व का आभार माना और कहा, छत्तीसगढ़ के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि यहां पर हमारी सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालन में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड के तहत छत्तीसगढ़ में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर सहकारी बैंक द्वारा ऋण दिया जा रहा है, जिससे हमारे यहां के किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट भी लगातार बढ़ा है। 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का रेलवे का काम छत्तीसगढ़ में चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई सफर करें इसके लिए उड़ान योजना के तहत छत्तीसगढ़ में भी सेवाएं शुरू की गई है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी व रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर भी उपस्थित थे।

नए शिक्षा सत्र ....

जर्जर भवनों को लेकर शिक्षक और अभिभावकों में चिंता है। उनका कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। जानकारी के अनुसार जिले में 205 विद्यालय जर्जर भवनों की श्रेणी में शामिल हैं। कहीं छतों से प्लास्टर झड़ रहा है तो कहीं दीवारें कमजोर हो चुकी हैं। इसके बावजूद कई भवनों की मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है।

शिक्षा विभाग हर वर्ष स्कूल भवनों, शौचालयों और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का सर्वे कर जानकारी जुटाता है, लेकिन इसके बाद भी अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। जिले के प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों में कुल 2,229 शिक्षक पदस्थ हैं, जबकि छात्र-छात्राओं की संख्या 33 हजार 630 है।

वनांचल क्षेत्र में सुविधाओं का अभाव : सोनहत जनपद के वनांचल ग्राम सुकतरा का प्राथमिक शाला भवन भी जर्जर स्थिति में है। यहां के बच्चों को नए सत्र में भी पुराने भवन में पढ़ाई करनी होगी। युक्तियुक्तकरण के तहत प्राथमिक शाला को माध्यमिक शाला में समायोजित किया गया है, लेकिन वहां भी भवन और शौचालयों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बच्चों को पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रवेशोत्सव के उत्साह पर सुरक्षा की चिंता भारी : कुछ दिनों बाद स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा, लेकिन जर्जर भवनों में पढ़ाई करने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं इस उत्सव के उत्साह के बीच दब सकती हैं। अब बारिश करीब है तब देखना कि जिम्मेदार विभाग विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इन भवनों की मरम्मत कब तक सुनिश्चित कर पाता है।**भरहीडीह में अधूरा पड़ा नया भवन** : जनपद पंचायत सोनहत के ग्राम भरहीडीह में नवीन स्कूल भवन का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसके कारण नए शिक्षा सत्र में बच्चों को पुराने और जर्जर भवन में ही पढ़ाई करनी पड़ेगी। प्राथमिक और माध्यमिक शाला भवन की स्थिति खराब है। छत का प्लास्टर कई जगहों से उखड़ चुका है और कुछ हिस्सों में गिर भी चुका है। निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण नया भवन समय पर तैयार नहीं हो पाया।

पेरू-इक्वाडोर सीमा पर 5.0 तीव्रता का भूकंप

लीमा। पेरू और इक्वाडोर की सीमा के पास शनिवार को 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मनी के भू-विज्ञान अनुसंधान केंद्र (JFZ) के अनुसार भूकंप का झटका स्थानीय समय के मुताबिक रात 1:35 मिनट पर आया। JFZ ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इसका केंद्र 4.59 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 80.02 डिग्री पश्चिम देशांतर पर स्थित था। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि भूकंप के झटकों के बाद आसपास के इलाकों में लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया।

अमेरिका ने की वेनेजुएला में स्ट्राइक, माफिया मारा : वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला के कुख्यात आपराधिक संगठन ट्रेन डे अरागुआ के टॉप लीडर निनो गुरेरो को मार गिराने का दावा किया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया है। ट्रम्प ने ट्रेन डे अरागुआ को दुनिया के सबसे खूनी आतंकवादी संगठनों में से एक बताते हुए कहा कि उन्होंने सत्ता संभालने के बाद इस संगठन के खिलाफ अभियान चलाया।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मै अपने पक्षकार दीपक अग्रवाल आ. अनिल कुमार अग्रवाल निवासी एलआईजी-105, वैशाली नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) की ओर से अधिकृत होकर एवं उनके बताये गये अनुसार आम सूचना प्रकाशित करता हूँ, है कि भूमिस्वामी गुलशन गुलाटी उम्र 54 वर्ष आ. श्री धरम सिंह गुलाटी निवासी दाल मिल गली, वॉर्ड न. 15 अभनपुर रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा- गुडियारी, प.ह. न. - 28, रा.नि.म. - सेलूद, तह. पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) में भूमि स्थित खसरा नं. 313 रकबा 0.28 हे., खसरा नं. 319 / 2 रकबा 0.20 हे., खसरा नं. 320 / 2 रकबा 0.20 हे., खसरा नं. , रकबा 321/1 रकबा 0.08 हे., खसरा नं. 321 / 2, रकबा 0.09 हे., खसरा नं. 321/3 रकबा 0.29 हे., खसरा 322/1, रकबा 0.29 हे., खसरा नं. 332, रकबा 1.22 हे., कुल रकबा = 2.65 हे. भूमि जिसे खरीदने का पक्का सौदा तय कर ब्याना राशि प्रदान कर इकरारनामा निष्पादित किया गया है केवल पंजीयन निष्पादन कराना बाकी है।

अतः उक्त भूमि के क्रय विक्रय पर जिस किसी भी व्यक्ति संस्था, साहूकार, बैंक, शासकीय, अद्धशासकीय निकाय, निगम, धार्मिक संस्थान एवं अन्य को उजर दावा आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस के भीतर मय दस्तावेज लिखित आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि समाप्त होने के बाद मेरे पक्षकार द्वारा उक्त सौदाशुदा भूमि के प्रतिफल की शेष राशि अदा कर मेरे पक्षकार अपने पक्ष में बयनामा निष्पादन कर पंजीयन करा लेवेंगे । समयावधि समाप्त होने पश्चात् की गई उजर दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी शून्य मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार द्वारा निष्पादित पंजीकृत बयनामा दस्तावेज वैद्य होगी।

सो सूचना जाने

स्थान-दुर्ग
दिनांक-13/06/2026
मो. नं. 9827108870

भवदीय
गैंदलाल यादव (अधिवक्ता)
ओम् सांई नमन् एसो.
जीवन प्लाजा काम्पलेक्स शॉप नं. 17
जी.ई. रोड़ गंजपारा दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बागबाहरा, जिला - महासमुन्द, छ.ग.

दूरभाष क्रं. 07707-242178, ई.मेलः- npbgbr5@gmail.com

क्रमांक 250 / लो.नि.वि. / न.पा.प. / 2026-27 बागबाहरा, दिनांक - 12/06/2026

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम) //

नगर पालिका परिषद बागबाहरा में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य विवरण	लागत राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि (रू. लाख में)	समय सीमा	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू. में)	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि एवं 100 रू. स्टाम्प जमा करने की अंतिम तिथि
1	193273	Design, Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work Including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System In Nagar Palika Parishad, Bagbahara under SBM 2.0	429.26	2.15	15 माह	10000/-	06/07/2026 17:00 PM तक	10/07/2026 16:00 PM तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in And https://cguad.gov.in से दिनांक 12.06.2026 को 17.00 PM बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बागबाहरा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग की व्यवस्था हेतु निविदा सूचना

क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्याः 81B-एसटी-टेंडर-2025 दिनांक- 09.06.2026 कार्य का नाम : "बिलासपुर डिवीजन के अनूपपुर-बोरीडान्ड सेक्शन और मौहरी-छुलहा बाईपास लाइन के लिए डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग की व्यवस्था। निविदा मूल्यः ₹ 4,58,62,271.94/- (चार करोड़ अट्ठावन लाख बासठ हजार दो सौ इकहत्तर रुपये और चौरानवे पैसे मात्र)। अमानत राशिः ₹ 9,17,300/- (नौ लाख सत्रह हजार तीन सौ रुपये मात्र)। निविदा का जमा होना दिनांकः 02.07.2026 के 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर
सीपीआर/10/198 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

// आम सूचना //

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने ढायेन्द्र साहू पिता श्री भागवत साहू जाति तेली निवासी ग्राम आनंदपुर तहसील गुरूर जिला बालोद छ.ग. के स्वामित्व की भूमि जो ग्राम मिरीटोला तह. गुरूर जिला बालोद में खसरा नंबर 100/1 का भाग रकबा 15 डिसमिल (14.86 डिसमिल) स्थित है जिसके उत्तर में भगवती बेवा रामकुमार वगैरह, दक्षिण में पुरूर से बालोद मुख्य मार्ग, पूर्व में नसीम बानो मेमन पिता सलीम सिनी एवं पश्चिम में विक्रेता की बचत भूमि है जो पुरूर से गुरूर जाने के मुख्य मार्ग पर स्थित है जिसे खरीदने का सौदा मेरे पक्षकार ने कर लिया है। इकरारनामा के अनुसार शेष रकम का भुगतान कर बिक्री पत्र का निष्पादन पंजीयन सुनिश्चित हुआ है।

उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति, विशेष, निकाय, शासकीय व अर्धशासकीय संस्था/बैंक, निजी बैंक तथा आम जनता को अथवा भागवत साहू के अन्य वारिसानों को किसी प्रकार का आपत्ति हो तो 15 दिन के अंदर दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं समय अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा ।

सो सूचना जाने ।

दिनांक 13/06/2026

भवदीय
विपिन पवार अधिवक्ता
गोकुलपुर वार्ड, रुद्री रोड धमतरी (छ.ग.)
मो. 9425516016, 8319826724

आम-सूचना

ग्राम - मठपुरैना, पटवारी हल्का नं. 105/61, रा. नि. रायपुर-14 बोरियाखुर्द तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित परिवर्तित आवासीय भूमि के संबंध में ।

एतद् द्वारा यह सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरे पक्षकार 1. श्रीमती बिन्दु सेन पति श्री संतोष सेन 2. श्रीमती हीराबाई सेन पति श्री अशोक सेन व विक्रेता श्री दीपक सिंह चौहान पिता श्री दिनेश सिंह चौहान के स्वामित्व व आधिपत्य की आवासीय परिवर्तित भूमि वाके मौजा ग्राम - मठपुरैना, पटवारी हल्का नं. 105/61, रा. नि. रायपुर-14 बोरियाखुर्द तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित खसरा नं. 85/25 रकबा 2000 वर्गफुट है को खरीदने का सौदा विक्रय इकरारनामा दिनांक 04/06/2026 निष्पादित कर लिया है जिसका पंजीयन किया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक शासकीय - अशासकीय निकाय महाजन अथवा किसी भी पारिवारिक सदस्य या अन्य को किसी भी प्रकार से आपत्ति या उजर दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 14 (चौदह) दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर पावती लेवें। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति या उजर हमारे पक्षकार पर बंधकारी नही होगी तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैमाना पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा।

सो सूचना जानें।

रायपुर छ.ग.
दिनांक - 13/06/2026

वास्ते राजीव लोचन तिवारी
पताः- एल. आई. जी. 32, इंद्रावती कालोनी राजा तालाब, रायपुर (छ.ग.)
मो.- 7000628794, 9009388375

CSPDCL कार्यालय-कार्यपालन अभियंता (सं/सं.) संभाग छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, पिथौरा

क्र. - 053-4600/ सामा. / 560 **बिजली बंद की सूचना** पिथौरा, 12/06/2026

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि मानसून पूर्व विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के आवश्यक सुधार एवं रखरखाव कार्य हेतु नीचे लिखे विवरणानुसार समय सुबह 09:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

क्र.	दिनांक	सबस्टेशन का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	15.06.2026 (सोमवार)	33/11 के. व्ही. सबस्टेशन पिथौरा ग्रा.	11 के.व्ही. लाखागढ़	लाखागढ़
2		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन कौहाकुड़ा	11 के.व्ही. मोहंदा	मोहंदा, नयापाराकला, कोटादादर
3		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन सुखीपाली	11 के.व्ही. सुखीपाली बस्ती	सुखीपाली, पिलवापाली, कलमीडीपा, डूमरपाली
4		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन झलप	11 के.व्ही. गोंगल	मुनगासेर, गुडेलाभाठा, पचरी
5		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन तेंदुकोना	11 के.व्ही. पुराना तेन्दुकोना	भिखापाली, साल्हेभाठा, मोंगरापाली, सराईपाली, सम्हर, बिराजपाली, खूटनपाली, तिलाईदादर, लमकेनी
6		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन पटेवा	11 के.व्ही. नवागांव	पतईमाता, बोडरा, नवागांव, झिलमिला, कोडार
7		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन पिथौरा ग्रा.	11 के.व्ही. टप्पा	राजासेवैया, सेवैयाकला, टप्पा सेवैया
8		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन रायतुम	11 के.व्ही. बंदोरा	बंदोरा, अचानकपुर, खिरसाली, रायमुड़ा, झाखरमुड़ा, दलदली, रूमेकेल
9	16.06.2026 (मंगलवार)	33/11 के.व्ही. सबस्टेशन खैरखुंटा	11 के.व्ही. रामपुर	बिंधनखोल, खैरखूंटा, किशनपुर, रामपुर, लक्ष्मीपुर
10		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन तेंदुकोना	11 के.व्ही. टूरीझर	डोकरपाली, बांधुमुड़ा, कलमीदादर, टूरीझर
11		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन बल्दीडीह	11 के.व्ही. सिंगारपुर बस्ती	बिजेपुर, उतेकेल, सागुनढांप, राजाकटेल, कोड़ा कटेल, गौरिया, माटीदरहा,
12		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन पटेवा	11 के.व्ही. बावनकेरा	खटटा, ठुमसा, कोकड़ी, पचपेड़ी
13		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन घोंच	11 के.व्ही. घोंच	घोंच - घोघरा, हनुमानडीह, बगारपाली
14		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन बुंदेली	11 के.व्ही. कोल्दा	कोल्दा, डोंगाझर, चुरूपाली
15		33/11 के. व्ही. सबस्टेशन छिबर्रा	11 के.व्ही. चरोदा	अट्ठारहगुड़ी, अमलीडीह, सरकड़ा, भिथीडीह, पटपरपाली, कोचर्रा, चरोदा, गबौद, अकलतरा, देवगांव

टीपः- (1) प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में शासन द्वारा दिये जा रहे अनुदान का लाभ उठावें (2) आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है। (3) स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएं। (4) विद्युत चोरी दंडनीय अपराध है।

(बी. दीवान)
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे. पॉ.डि.कं.लिमि., पिथौरा

एनएमडीसी लिमिटेड
बैलाडिला लौह अयस्क खान बचेली कॉम्प्लेक्स, पोस्टः बचेली, जिला : दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.)

NMDC Swasthya Kaushal Yojana (NSKY)
मेडिकल टेक्नोलॉजी कोर्स हेतु ऑनलाइन प्रवेश सूचना - 2026
(केवल अजजा बालक एवं बालिकाओं हेतु)

एनएमडीसी के नैगमिक सामाजिक दायित्व (CSR) के तहत "एनएमडीसी स्वास्थ्य कौशल योजना" मेडिकल टेक्नोलॉजी कोर्स के अंतर्गत दन्तेवाड़ा एवं बस्तर क्षेत्र के इच्छुक गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले आदिवासी (अजजा) बालक एवं बालिकाओं को अपोलो यूनिवर्सिटी, चित्तूर (Apollo University, Chittoor) में प्रवेश हेतु न्यूनतम 17 वर्ष अधिकतम 25 वर्ष से कम उम्र के आवेदक हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों में कुल 90 सीटें है। जिसमें बालिकाओं के लिए 60 प्रतिशत सीटें एवं बालको के लिए 40 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। चयनित छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी। इस पाठ्यक्रम में 06 कोर्स है, जिनका विवरण निम्नलिखित हैः

1. बीएससी इमरजेंसी मेडिकल टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय)
2. बीएससी मेडिक लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय)
3. बीएससी एनेस्थीशियोलॉजी एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय)
4. बीएससी इमेजिंग टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय)
5. बीएससी फिजिशियन असिस्टेंट (04 वर्षीय)
6. बीएससी रिनल डायलिसिस टेक्नोलॉजी (04 वर्षीय)

योग्यता :
1. 12वीं में विज्ञान विषयों में (भौतिक, रसायन एवं बायोलॉजी) कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए तथा संपूर्ण विषयों में कुल योग 45 प्रतिशत होना अनिवार्य है ।
2. अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है ।
3. अभ्यर्थियों को दंतेवाड़ा एवं बस्तर जिले का निवासी होना अनिवार्य है।
4. परिवार की कुल वार्षिक आय रू. 72,000/- से अधिक न हो (सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र 01 वर्ष (15.06.2025) से अधिक पुराना न हो) ।
5. यह योजना केवल (अजजा) बालक एवं बालिकाओं के लिए मान्य है ।

आवेदन प्रक्रियाः
1. आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। उम्मीदवारों को ऑनलाइन मोड में ही आवेदन करना होगा ।
2. अभ्यर्थियों को एनएमडीसी की वेबसाइट https://www.nmdc.co.in/careers के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है (लिंक वेबसाइट के करियर पेज पर उपलब्ध है)। लिंक 15.06.2026 को प्रातः 09:00 बजे से 05.07.2026 को शाम 06:30 बजे तक आवेदन कर सकेंगे ।
3. अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में सभी आवश्यक विवरण भरने एवं उल्लेखित आवश्यक दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों को अपलोड करना अनिवार्य है, अन्यथा उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा ।

ऑनलाइन आवेदन के दौरान निम्नलिखित दस्तावेजों की स्कैन प्रति अपलोड करना अनिवार्य हैः
1. 10वीं की अंकसूची
2. 12वीं की अंकसूची
3. जाति प्रमाण पत्र (अनुसूचित जनजाति – ST, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी)
4. आय प्रमाण पत्र (सक्षम अधिकारी द्वारा जारी, 15.06.2025 से अधिक पुराना न हो) 5. निवास प्रमाण पत्र (सक्षम अधिकारी द्वारा जारी)
6. आधार कार्ड या राशन कार्ड
7. पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो
8. हस्ताक्षर (Signature)

चयन प्रक्रियाः
- सभी अभ्यर्थीयों की लिखित परीक्षा के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी ।
- प्रश्नपत्र बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (Objective Type Multiple Choice Question) पर आधारित होगा। प्रश्न अंग्रेजी भाषा में होंगे तथा उत्तरों को OMR शीट पर भरना होगा (लिखित परीक्षा ऑफ-लाईन मोड में होगा) ।
- परीक्षा विषयः
  - a) भौतिकी (Physics) एवं रसायन शास्त्र (Chemistry) - 20 Marks
  - b) जीव विज्ञान (Biology) - 25 Marks
  - c) अंग्रेजी (English) – 05 Maks
- सिलेबस, एडमिट कार्ड एवं परीक्षा तिथि की सूचना एनएमडीसी वेबसाइट के करियर पेज से प्राप्त की जा सकती है।
- लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सा परीक्षण के उपरांत किया जाएगा।

संपर्क सहायताः ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबर / ईमेल पर संपर्क करेंः हेल्पलाइनः 7044599061 ईमेलः nmdcnisp18@gmail.com

महत्वपूर्ण टीपः (1) एनएमडीसी परियोजनाओं के आस-पास के क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जायेगी तथा योग्यता के आधार पर चयन किया जाएगा । (2) अभ्यर्थियों को कोर्स का आवंटन मेरिट के आधार पर किया जाएगा। कोर्स आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया अपोलो यूनिवर्सिटी, चित्तूर द्वारा संपादित की जाएगी, जिसमें एनएमडीसी की कोई भूमिका अथवा उत्तरदायित्व नहीं होगा।

वास्ते
सीएसआर विभाग
एनएमडीसी, बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन – मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक – आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु – आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर – वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन – परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 6256

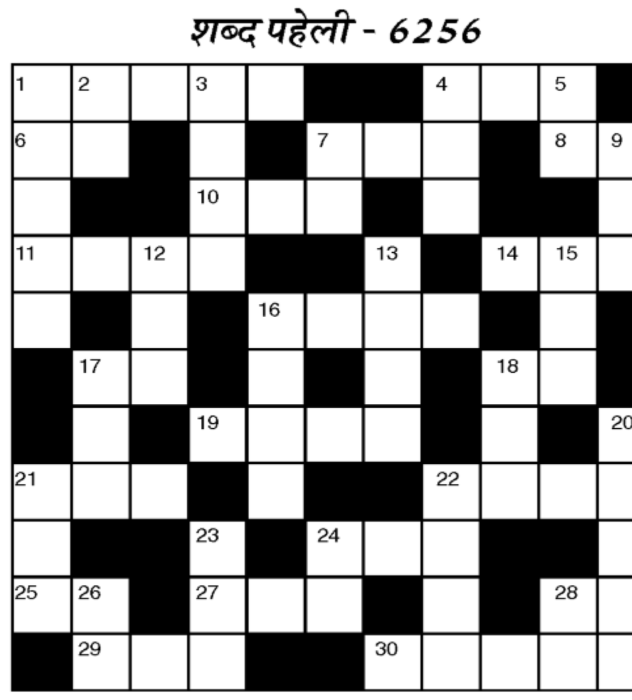

बाएँ से दाए
1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6255 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
व	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

सूडोकु नवताल - 6266

★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6265 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

तरकश

-संजय के. दीक्षित

ओड़िया आईएएस और ग्रहण

रिटायर आईएएस और साहित्यकार बीकेएस रे नहीं रहे। 79 साल की उम्र में 3 जून को उनका देहावसान हो गया। उसके अगले दिन महादेव घाट में उनका अंतिम संस्कार हुआ। मुक्तिधाम में जैसा कि आमतौर पर गपशप होता है...उस रोज भी तरह-तरह के पुराने किस्से, चर्चाएं निकली। बात इस पर भी हुई कि एसके मिश्रा के सीएस रहने के दौरान आखिर ऐसा क्या हुआ कि ओड़िया आईएएस अधिकारियों का ग्रह-नक्षत्र बिगड़ गया। एसके मिश्रा ओड़िसा के रहने वाले थे। छत्तीसगढ़ के फर्स्ट चीफ सिकेट्री अरुण कुमार के रिटायर होने के बाद अजीत जोगी ने मिश्रा को मुख्य सचिव बनाया था। मगर उनके बाद फिर कोई दूसरा ओड़िया भाषी अफसर सीएस नहीं बन पाया। दिवंगत ओड़िया निवासी बीकेएस रे सीएस की दौड़ में दो बार सुपरसीड हुए। पहली बार उनके जूनियर शिवराज सिंह को सीएस बनाया गया और उसके बाद पी0 जॉय उम्मेन को। रे के बाद डीएस मिश्रा और एमके राउत लाख प्रयास के बाद भी मुख्य सचिव बनने से वंचित हो गए। और अब सुब्रत साहू के साथ यही हुआ। सुब्रत 92 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। मगर उन्हें सुपरसीड कर सरकार ने 94 बैच के आईएएस विकास शील को ब्यूरोक्रेसी की शीर्ष कुर्सी सौंप दी। ऐसा भी नहीं कि ये ओड़िया अधिकारी चीफ सिकेट्री बनने लायक नहीं थे। छत्तीसगढ. में एक से बढ़कर एक ..... मुख्य सचिव हुए हैं, उनसे तो ये अच्छे ही थे। ओड़िया आईएएस अधिकारियों को जगन्नाथ महाप्रभु की नगरी पुरी में ठीकठाक किसी पंडित से अनुष्ठान कराना चाहिए।

मंत्रियों का सामूहिक इस्तीफा!

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल सर्जरी की अटकलों के बीच एक अपडेट ये आ रहा कि पार्टी पहले सभी 13 मंत्रियों का इस्तीफा लेगी, उसके बाद नए सिरे से मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा। ठीक उसी तरह, जैसा गुजरात में दो बार हुआ। जाहिर है, बीजेपी में मंत्रियों का सामूहिक इस्तीफा तभी लिया जाता है, जब हटाए जाने वाले मंत्रियों की तादात ज्यादा हो। छत्तीसगढ़ में 13 में से से करीब पांच मंत्रियों को बदलना है। अगर दो-तीन मंत्रियों को हटाना होता तो फिर सिर्फ उन्हीं से इस्तीफा लिया जाता। मगर फिगर ज्यादा है, इसलिए बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व सभी मंत्रियों का इस्तीफा लेगा, फिर उसमें नए मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। इस्तीफा देने वाले पांच मंत्रियों की जगह कौन लेगा...उनमें पुराने विधायक कितने होंगे और कितने नए...इस बारे में इस समय बता पाना मुमकिन नहीं, क्योंकि, नए जमाने के बीजेपी में कब, क्या होगा...किसी को कुछ पता नहीं होता। सब कुछ काफी कंफिडेंशियल होता है। बताते हैं, खुद नितिन नबीन को आभास नहीं था कि पार्टी ने उन्हें सर्वोच्च पर बिठाने का फैसला किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने जब फोन किया, तो उन्हें लगा कि बिहार बीजेपी का अध्यक्ष बनाने की बात कर रहे हैं। मगर अगले पल जो हुआ, उससे नितिन भी हैरान रह गए। खैर, बात छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल फेरबदल की, तो जून लगभग आधा निकल गया है। हो सकता है, इस महीने के आखिर या जुलाई फर्स्ट वीक तक राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम फायनल हो जाए। इसके बाद जुलाई फर्स्ट या सेकेंड वीक तक छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल पर काम होगा। तब तक सभी तेरहवों मंत्रियों की सांसे गले में लटकी रहेगी।

78 सीटों का क्या

बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा हो गया, छत्तीसगढ़ के लिए इससे बड़ी खुशी की बात हो नहीं सकती। निश्चित तौर पर बस्तर के डेवलपमेंट पर सिस्टम का फोकस होना चाहिए। सरकार ने बस्तर को प्रायरिटी में रखा भी है। उसे देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने का फैसला किया गया है। यहां तक ठीक है। मगर सिस्टम को खुश करने सारा तंत्र लगे सिर्फ बस्तर का राग अलापने, तो स्टेट और सत्ताधारी पार्टी की सेहत के लिए ये ठीक नहीं है। इस समय स्थिति यह है कि जिसे बस्तर से कोई मतलब नहीं, वो भी बस्तर की बात कर रहा। सिस्टम में बैठे लोगों को यह ध्यान रखना होगा कि बस्तर में 12 विधानसभा सीटें हैं। बाकी 78 सीटें सरगुजा और मैदानी इलाके में हैं। मैदानी और शहरी इलाके में पानी से लेकर सड़क जैसी कई बुनियादी समस्याएं मुंह बाए खड़ी है, मगर इन विभागों के जिम्मेदार अफसर सिर्फ बस्तर की जाप करेंगे तो यह असंतुलन की स्थिति होगी। सिस्टम में बैठे लोगों को इसे नोटिस में लेनी चाहिए।

रिटर्न गिफ्ट में ब्रेकर

नगरीय निकाय चुनाव में एकतरफा जीत के बाद विष्णुदेव सरकार ने नगरीय क्षेत्रों को रिटर्न गिफ्ट देने एक अच्छा कंसेप्ट शुरू किया था। इसके तहत चुनिंदा शहरों के विकास के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक हाई लेवल की मीटिंग होती थी। इसमें नगरीय निकाय मंत्री के साथ वित्त मंत्री और संबंधित विभागों के सचिवों के साथ संबंधित जिले के कलेक्टर, एसपी तथा विधायकों को बुलाया जाता था। लेकिन, रायपुर और बिलासपुर के बाद कतिपय कारणों से इस बैठक पर ब्रेक लग गया। इसे फिर से चालू करना चाहिए। क्योंकि इस हाई लेवल बैठक में मौके पर ही कई समस्याओं या पेंडिंग कार्य क्लियर हो जा रहे थे। इससे फायदा भाजपा को ही होता, क्योंकि शहरी इलाकों में बीजेपी का प्रभाव ज्यादा है। वैसे भी किसी स्टेट का भौतिक विकास उसके शहरों की चकाचौंध से परखा जाता है। फिर ग्रामीण इलाकों के लोग भी आमोद-प्रमोद के लिए शहर ही आते हैं। मगर शहर ही बेतरतीब, अव्यवस्थित रहेगा तो फिर बाहर के लोग स्टेट की क्या छबि लेकर जाएंगे।

फॉरेस्ट और आईएएस

श्रीनिवास राव और तपेश झा के रिटायरमेंट के बाद सरकार ने अरुण पाण्डेय को हेड ऑफ फॉरेस्ट बनाया। इसके बाद वैक्यूम को दूर करने चार शीर्ष अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार देकर सरकार ने काम चला लिया। मगर फॉरेस्ट में असली दिक्कत आएगी अगले महीने, जब माइनर फॉरेस्ट फेडरेशन से अनिल साहू और फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से प्रेम कुमार रिटायर होंगे। ये दोनों पीसीसीएफ लेवल के पोस्ट हैं और प्राब्लम यह है कि वन विभाग के पास इस स्तर के अधिकारी अब बचे नहीं हैं। इनमें फेडरेशन तो बस्तर के आदिवासी इलाके और वोट बैंक की दृष्टि से काफी अहम है। ये अलग बात है कि फेडरेशन के वर्तमान एमडी अनिल साहू संजय शुक्ला और अनिल राय के काम को आगे बढ़ा नहीं पाए। मगर विधानसभा चुनाव में अब दो साल बच गए हैं, लिहाजा सरकार अब किसी ठीकठाक अफसर को ही इस पद पर बिठाना चाहेगी। मगर अफसर है नहीं। ऐसे में, सवाल उठता है...क्या किसी आईएएस को फेडरेशन और कॉरपोरेशन में नहीं बिठाया जा सकता। इन दोनों में काम एडमिनिस्ट्रेटिव और कोआर्डिनेशन का है। वैसे, ब्यूरोक्रेसी में इस पर चर्चा भी चल रही कि जब आईएएस के कैडर पद पर अनेक आईएफएस काम कर चुके हैं तो फिर वन विभाग में आईएएस पोस्ट क्यों नहीं हो सकते। बहरहाल, निर्णय सरकार को लेना है।

कमाल के अफसर

एनएमएसी ने सूबे के पांच नए मेडिकल कॉलेजों को परमिशन देने से इंकार कर दिया है। अफसरों ने बिना किसी तैयारी के प्रपोजल भेज दिया था। कई जगह अस्पताल नहीं है तो कहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को ही अस्पताल दिखा डाला था। अफसरों की नाकामी इसलिए कि पांच में से तीन कवर्धा, जांजगीर और गीदम कॉलेज के लिए भारत सरकार ने पिछली सरकार में बिल्डिंग बनाने के लिए पैसा भेज दिया था। 2022 से यह पैसा डंप पड़ा है। दिसंबर 2023 में सरकार बदलने के बाद सीजीएमएससी ने अफसरों ने टेंडर में खेला करने में दो बरस बर्बाद कर दिया। 500 करोड़ ओवर रेट पर एक ही कंपनी को ठेका देने की साजिश रची गई। मगर इसी स्तंभ के लेखक की लगातार खबरों के बाद घोटाले का टेंडर निरस्त हुआ और सरकारी खजाने का 272 करोड़ बचा। मगर सरकार के पैसे बच गए मगर यहां के बच्चों का जो नुकसान हुआ, उसका क्या? जरा सोचिए, टेंडर में गफलत करने की कोशिश में अगर टाईम खराब नहीं किया गया होता तो अभी तक बिल्डिंग कंप्लीट हो रही होती। और, उस बेस पर शायद एनएमसी कम-से-कम तीन कॉलेजों को अनुमति दे दी होती। स्वास्थ्य विभाग में उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों ने अगर अपने पड़ोसी प्रदेश से ही समझ लिया होता...एमपी में पहले कॉलेज बिल्डिंग और अस्पताल तैयार किया जाता है फिर मान्यता के लिए प्रस्ताव भेजा जाता है। मगर छत्तीसगढ़ के कमाल के अफसरों ने कमाल कर डाला।

सीजीएमएससी की नाकामी

एनएमसी ने पांच मेडिकल कॉलेजों को मान्यता नहीं दिया है मगर वास्तविकता यह है कि पिछली सरकार में तीन कॉलेज खुले हैं, वहां भी अगर एनएमसी एक बार इंस्पेक्शन कर लें तो तीनों की मान्यता निरस्त हो जाएंगी। कोरबा, महासमुंद और कांकेर, तीनों मेडिकल कॉलेजों को कोविड काल का लाभ मिला और उन्हें बिना निरीक्षण के मान्यता मिल गई थी। मगर उन तीनों कॉलेजों का बुरा हाल है। न कॉलेज की बिल्डिंग बनी है और न अस्पताल। और-तो-और, रमन सिंह सरकार के दौरान अंबिकापुर में खुले मेडिकल कॉलेज अस्पताल की पूरी बिल्डिंग अभी नहीं बन पाई है। सरकार ने उसके लिए 100 करोड़ स्वीकृत किया मगर तीन साल बाद भी जस-की-तस स्थिति है। और ये भी, पिछले साल एक जुलाई को मेडिकल कॉलेज में सीएम के कार्यक्रम में हॉस्टल को लेकर बतंगड़ हुआ था। सीएम को वास्तविकता की जानकारी मिली तो उन्होंने हॉस्टल के लिए तुरंत 80 करोड़ स्वीकृत कर दिया था मगर उसके बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया।

सजा नहीं, इनाम

असल में दिक्कत यह है कि सिस्टम में किसी काम के फेल्योरनेस के लिए कोई जिम्मेदारी तय नहीं है। छत्तीसगढ़ जैसे गरीब प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग और सीजीएमएससी के लोगों ने मेडिकल कॉलेजों को खोलने में लापरवाही बरती तो उसके लिए उन अफसरों को चिन्हित किया जाना चाहिए...दंड का प्रावधान होना चाहिए। मगर ऐसा होता नहीं। बल्कि, उपर से उन्हें बढ़िया पोस्टिंग मिल जाती है। सीजीएमएससी के अधिकारियों को कलेक्टर बनाकर ईनाम दे दिया जाता है। हेल्थ में बडे-बड़े घोटाले के बाद भी किसी अफसर का बाल तक बांका नहीं हुआ। तो फिर कोई अफसर अपने दायित्वों के प्रति सजग क्यों रहेगा? वो काला-पीला करेगा ही, क्योंकि उन्हें मालूम है, आईएएस भाई लोग बचा ही लेंगे।

सीजीएमससी फेल क्यों?

हेल्थ डायरेक्ट्रेट में सीबीआई के छापे और डायरेक्टर, ज्वाइंट डायरेक्टर समेत कई डॉक्टरों को जेल जाने के बाद रमन सिंह सरकार ने यह सोचकर सीजीएमएससी को बनाया कि डॉक्टर लोग खरीदी-वरीदी जैसे प्रशासनिक कार्यों में पारंगत नहीं होते, इसलिए कॉरपोरेशन के जरिये खरीदी, सप्लाई किया जाएगा। तब आईएफएस अधिकारी प्रताप सिंह को सीजीएमएससी का फर्स्ट एमडी बनाया गया। उनके रहते तक सीजीएमएससी में अच्छा काम हुआ। मगर उसके बाद आए दूसरे आईएफएस अधिकारी ने तबाही मचा दी। उसके बाद से कॉरपोरेशन की चाल-चलन बिगड़ा, वह पटरी पर नहीं लौट पाया। अलबत्ता, समय के साथ सीजीएमससी के खटराल अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग से बात कर मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का सिविल कार्य भी शामिल करवा लिया। जबकि, सीजीएमएससी के पास सिविल का अपना कोई सेटअप नहीं। इसके लिए दूसरे विभागों से उधारी पर इंजीनियर लिए गए। और हजार-हजार करोड़ करोड़ का काम शुरू कर डाले। कोरबा, महासमुंद और कांकेर के बाद पांच नए मेडिकल कॉलेज का काम भी सीजीएमएससी ही कर रहा है। अब बात सीजीएमएससी फेल क्यों, तो बताते हैं एक तो सीजएमएससी के पास सेटअप नहीं, और दूसरा जो सबसे महत्वपूर्ण...काम प्रारंभ करने से पहले ठेकेदार को आठ फीसदी कमीशन बंगले में पहुंचाना पड़ता है और पांच-सात परसेंट खुरचन-पानी सीजीएमएससी में इधर-उधर। अब 200 करोड़ में से 20-25 करोड़ पहले ही बांट देता है मगर काम का भुगतान जल्दी होता नहीं। याने एडवांस जेब से गया है, निर्माण में जो खर्च हुआ, वो भी टाईम से पेमेंट नहीं मिलता। कोरबा, कांकेर और महासमुंद का काम लटकने के पीछे ये भी एक बड़ा कारण है।

वर्जित मास में शादी और बवाल

पिछले हफ्ते बेमेतरा सियासी तौर पर बेहद सुर्खियों में रहा। असल में, जो अकल्पनीय था, वह हो गया। उस घटना के नीर-क्षीर, विवेचन से पता चला, खता अफसरों ने की और उसकी कीमत सिस्टम ने चुकाई। दरअसल, सनातन धर्म में मलमास याने पुरूषोतम मास में शादी-ब्याह पूर्णतः वर्जित है। इस प्रतिबंधित महीने में अफसरों ने सामूहिक विवाह का कार्यक्रम रख दिया। उस पर, आश्चर्य यह कि बीजेपी जैसी धर्म-कर्म में विश्वास रखने वाली पार्टी के किसी नेता ने भी इस पर ध्यान नहीं गया। अलबत्ता, बेमेतरा के विधायक भी दूल्हा बन बैलगाड़ी में बैठ गए, तो उत्साहित होकर डिप्टी सीएम अरुण साव उनके गाड़ीवान बन लगे गाड़ी हांकने। अब मलमास में शादी होगी, तो उसका साइड इफेक्ट आना ही था...वीवीआईपी कार्यक्रम में अराजकता की खबर सोशल मीडिया की सनसनी बन गई। खैर, विधायक समेत सभी नव ब्याहितों को सुखी दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं। और, महिला बाल विकास मंत्री को सलाह भी...उन्हें काशी के किसी पंडित से कुछ हवन वगैरह करा लेना चाहिए...मंत्रिमंडल सर्जरी की चर्चाओं के बीच उनके विभाग ने वर्जित मास में शुभ काम करा डाला।

एसपी की पोस्टिंग

छत्तीसगढ़ राज्य के अब तक के सबसे तेज-तर्रार गृह मंत्री होने के बाद भी दो-दो जिलों में एसपी की पोस्टिंग नहीं हो पा रही तो यह आश्चर्यजनक है। बता दें, सारंगढ़ और बलौदा बाजार में काफी दिनों से एसपी की कुर्सी खाली पड़ी है। दोनों जिले काफी संवेदनशील हैं। बलौदा बाजार में दो साल पहले कलेक्ट्रेट और एसपी ऑफिस फूंक देने जैसी हिंसक घटनाएं हो चुकी है। बावजूद इसके, दोनों जिले टेम्पोरेरी व्यवस्था में चल रहे। दोनों में एडिशनल एसपी को बिठाया गया है। बलौदा बाजार की एसपी भावना गुप्ता पर्सनल कारणों से लंबे अवकाश पर हैं तो सारंगढ़ के एसपी आंजनेय वार्ष्णेय सेंट्रल डेपुटेशन पर निकल गए हैं। पीएचक्यू और गृह विभाग की ड्यूटी है कि जिन जिलों में कप्तान नहीं है, वहां बात करके पोस्टिंग कराए। मगर पता नहीं तालमेल कहां पर गड़बड़ा रहा है। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। कोई महिला एसपी अगर लंबी छुट्टी पर जाती थीं या कोई कप्तान डेपुटेशन पर गया तो तुरंत ही गृह विभाग से वहां पोस्टिंग कर दी जाती थी।

मंत्रियों का ऐसा परफार्मेंस

सुशासन तिहार में कई दिलचस्प एपिसोड सामने आए। एक सीनियर मंत्री के विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में सीएम का चौपाल लगना था। मुख्यमंत्री ने वहां जाने से पहले मंत्री से पूछ दिया, आप तो फलां गांव को जानते ही होगे, अब मंत्री लगे अगल-बगल झांकने। मंत्रीजी रायपुर से रात में ही भागते-भागते अपने विस क्षेत्र पहुंचे, फिर अगली सुबह सीधे गांव में। मंत्री को डर था कि कहीं कलई खुल न जाए...रमन सिंह के दौर से मंत्री रहने के बाद भी माननीय एक बार भी अपने क्षेत्र के गांव में नहीं आए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. केंद्रीय मंत्री तोखन साहू और डिप्टी सीएम अरुण साव में से किसका फ्यूचर ज्यादा ब्राइट है?

2. छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स की 22 बटालियन में से अधिकांश में कमांडेंट डबल चार्ज में है, तो इसका मतलब ये निकाला जाना चाहिए कि पुलिस सिस्टम के प्रायरिटी में नहीं है?

अभिषेक के घर 3 बजे तड़के पुलिस का छापा, मचा बवाल

टीएमसी का आरोप ताला तोड़कर घुसे पुलिसकर्मी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार तड़के उस समय हलचल मच गई, जब पुलिस और केंद्रीय बलों की एक बड़ी टीम ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर छापेमारी की।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी थाने और कोलकाता पुलिस के अधिकारियों समेत कई पुलिसकर्मी शनिवार सुबह करीब तीन बजे बनर्जी के आवास पर पहुंचे। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पश्चिम मेदिनीपुर जिले के एक थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में की गई। पुलिस अभिषेक बनर्जी के कार्यकारी सहायक सुमित रॉय की तलाश में पहुंची थी, जो एक मामले में फरार बताए जा रहे हैं।

चार घंटे तक चली कार्रवाई

टीएमसी ने आरोप लगाया कि पुलिस टीम ने ताला तोड़कर जबरन घर में प्रवेश किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार्रवाई चार घंटे से अधिक समय तक चली। सुबह के समय भी पुलिसकर्मी आवास के भीतर मौजूद रहे। कई अधिकारियों को घर से बाहर निकलकर आपस में चर्चा करते और फिर दोबारा अंदर जाते देखा गया। आवास से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने ताला तोड़कर पूरे घर की तलाशी ली।

ममता भी पहुंचीं मौके पर

छापेमारी की खबर मिलते ही पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अपने हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आवास से तुरंत मौके पर पहुंचीं। करीब दो घंटे तक चली कार्रवाई के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम वहां से रवाना हो गई।

अभिषेक पर एक और एफआईआर दर्ज

अभिषेक के खिलाफ उनके संसदीय क्षेत्र डायमंड हार्बर में अम्फान राहत कोष के वितरण में 250 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज की गई है।

राहुल करेंगे अगुवाई, 17 को कोटा से आगाज

पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस शुरू करेगी देशभर में बड़ा अभियान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने जानकारी दी कि कांग्रेस 17 जून को राजस्थान के कोटा से इसकी शुरुआत करेगी। केसी वेणुगोपाल ने अपने बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और सरकार की ओर से भारत के युवाओं के साथ लगातार हो रहे धोखे के बढ़ते संकट के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। इसके तहत राहुल छात्रों, युवा संगठनों, शिक्षकों और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोगों को एक साथ लाने के लिए बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित करेंगे।

यहां होंगे आंदोलन *अभियान की शुरुआत कोटा (17 जून), इलाहाबाद (10 जुलाई), पटना (11 जुलाई) और दिल्ली (14 जुलाई) से होगी। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को उजागर करेगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है।*

मासूम के साथ छठे फ्लोर से कूदी महिला इंजीनियर, मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में 37 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ईशा साहू अपनी छह माह की बेटी को गोद में लेकर अपार्टमेंट की छठी मंजिल से कूद गई। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्ची चमत्कारिक रूप से बच गई। पुलिस ने बताया कि बच्ची अपार्टमेंट की सोलर फेंसिंग के तारों पर गिरकर लटक गई, जिससे उसकी जान बच गई। पास के एक चौकीदार ने रोने की आवाज सुनकर उसे सुरक्षित निकाला।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टीचर

REQUIREMENT- Jai Public Higher Secondary English Medium School Harinagar katul-boad Durg requires teachers for, Mathematics ,Physics, Chemistry,Biology, Accountancy, Business studies, Economics, So. Science, Science English, Office clerk, contact with Resume before 16th june2026, 9301398270. (आरो न - 294)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु मार्केटिंग ऑफिसर, यूनिट सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, एक्समेन, लेडीस गार्ड, कंप्यूटर ऑपरेटर योग्यता आठवीं से स्नातक वेतन 10000 से 30000 सुविधा ईपीएफ, रहने-खाने की सुविधा **संपर्क:- भारती सिक्योरिटी सर्विस कैपिटल प्लाजा 411, लालपुर रायपुर** 9302390554, 9343809026. (RO-031)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन : 15,000 - 18,000 प्रतिमाह।PF, ESIC रहने - खाने की व्यवस्था **उपलब्ध** 9201958117, 8109080600. (RO-855)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- कुशालपुर कोरियर में पार्सल बांटने एवं मार्केटिंग हेतु पढे लिखे लडके चाहिए। **श्रीमारुती कोरियर, कार्नर हाउस, कालीमाता मंदिर के आगे, रिंगरोड 1, कुशालपुर रायपुर, काल-वाटशप** 9399676408.(RO-133)

आया/चौकीदार/ड्रायवर

आवश्यकता है- Civil लाइंस एवं संतोषी नगर स्थित स्कूल के लिए आवश्यकता है आया-4, घर के लिए-2, चौकीदार-2, ड्राइवर-3, बढ़ाई -2, Model school civil lines raipur Whatsapp 9183253335, 9425214413, 8305233335.(RO-134)

आवश्यकता है- हॉस्पिटल हेतु आयाबाई- 2, घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने 2 ड्राइवर, एवं चौकीदार -2 की आवश्यकता है, रहने की सुविधा **संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर** 0771-2425009.(RO-544)

ड्रायवर

आवश्यकता है- चाय पत्ती के फैक्ट्री में ड्राइवर की आवश्यकता है **संपर्क- जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर मों.-** 74699-80000, 0771-4075490.(RO-A)

आवश्यकता है- दुर्ग, भिलाई, रायपुर स्कूल, स्टाफ बस हेतू महिला कंडक्टर ,ड्राइवर की आवश्यकता आधारकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस (हैवी व्हीकल) watsup करें **पता बस स्टैंड दुर्ग:-** 9343322450, 7385600786, 9424125786.(आरो न - 10496)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हमारा ट्रांसपोर्ट, दुर्ग में ट्रांसपोर्ट सुपरवाइजर की आवश्यकता है। योग्यताः ट्रांसपोर्ट कार्य का अनुभव, टीम प्रबंधन एवं वाहन संचालन की जानकारी रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता। इच्छुक उम्मीदवार **संपर्क करें:- बी.मोहन, मोबाइल** :- 9329021777. (आरो नं.-10491)

हरिभूमि क्लासीफाईड

हाउसकीपिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- हाउसकीपिंग- पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने के लिए), ड्राइवर- केवल रायपुर लोकल के लिए, ऑफिस बॉय- केवल रायपुर लोकल के लिए, हाउस सुपरवाइजर, **संपर्क करे-** 6232022676.(आरो-460)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला, सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, **पता:- विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड, रायपुर (संपर्क समय 10:30 से 9:00,)** 9425522577, 9425522576. (RO-035)

ऑपरेटर/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- C&F मेडिकल में अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2पद, गोडाउन पेकिंग 3पद की आवश्यकता है। आवास **सुविधा- करमचन्द डिस्ट्रीब्यूटर्स, टाटा शोरूम के सामने, देवपुरी, रायपुर** 9827166180. (RO-415)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मार्केटिंग कार्य हेतु लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता वेतन - 15000 + इंसेंटिव ऑफिस का पता - शंकरनगर, चौपाटी हाउसिंग बोर्ड कॉम्प्लेक्स, चौथी मंजिल, कार्यालय संख्या 414,415 **संपर्क - 90398 27355, 91799 07797. मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक**(RO-138)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में खाना देने हेतु लड़कों, खाना बनाने मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री। **पता- बिलासपुर** 8871824812, 9993334937.(RO-41106)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

गोडाऊन कीपर

आवश्यकता है- सी एंड एफ में कार्य करने हेतु गोडाउन कीपर की आवश्यकता है । सोना ट्रेडिंग कंपनी, सांता स्वीट्स के पास,भनपुरी, रायपुर। **संपर्क** - 6260655803. **(मिलने का समय - 10 से 6)** (RO-606)

सेल्समैन/ड्रायवर

आवश्यकता है- इंडियन आईल कॉर्पोरेशन लिमि. के सर्वो लुब्रिकेंट्स के वितरण कार्य हेतु ग्रेजुएट अनुभवी सेल्समैन चाहिए।अनुभव 4 से 5 वर्ष एवं डिलवरी वाहन हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। कमर्शियल व्हीकल का लाइसेंस अनिवार्य। **संपर्क-** 9425509393.(RO-567)

वार्डन/ड्रायवर/गार्ड

आवश्यकता है- जैन हॉस्टल रायपुर में वार्डन पुरुष- 1 पद, ई- रिक्शा ड्राईवर- 1 पद, गार्ड- 2 पद, नशा मुक्त, शाकाहारी व्यक्ति एवं ज्वेलरी शॉप के लिए सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता! **संपर्क करें:- रहने खाने की सुविधा** 8959906595.(RO-7398)

इलेक्ट्रीशियन/हेल्पर

आवश्यकता है- विद्युत सबस्टेशन में /अन्य कार्य हेतु आईटीआई/ डिप्लोमा/बीई,(इलेक्ट्रिकल ब्रांच) एवं हेल्पर कार्य हेतु दसवीं पास शासकीय दैनिक वेतन मान पर **पता आकाशगंगा सुपेला भिलाई** 7646844291. (आरो न - 295)

सर्विस

आवश्यकता है- स्कूल बच्चों को लाने ले जाने के लिए मारुति वैन और इको सुविधा है स्कूल का नाम होली क्रॉस APS ग्राउंड शैलेंद्र नगर राजकुमार कॉलेज पुलिस पब्लिक स्कूल पेंशन बाडा आत्माराम स्कूल आमापारा। ALLEN COACHING के लिए **संपर्क-** 9893079294 उमेश साहू (RO-862)

अन्य

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु आवेदन कर 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्रसीमा (18 -42) सैलरी- 26500/- 45500/- आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो , **व्हाट्सएप / कॉल करे** - 9129993295.(RO-081)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क** Bharti Education Academy Sector - 6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (आरो -4154)

Property प्रापर्टी

कृषि भुमि

कृषि भूमि- बोर युक्त ग्राम गुजरा भखारा पुराना रायपुर धमतरी हाइवे रोड से एक खेत अंदर 2.17 एकड़ कीमत 80 लाख प्रति एकड़ और 2.25 एकड़ धरसा रोड से 200 मीटर अंदर कीमत 40 लाख प्रति एकड़ जमीन शीघ्र बेचना है। **संपर्क करे-** 9630574960.(RO-863)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - रिसाली धनोरा मातृछाया फेस 2 में 30 * 50 के तीन प्लांट बेचना है एवं आशीषनगर पश्चिम सड़क नंबर 12 में 3 बीएचके2 डुप्लेक्स बेचना है:- 9827314526, 8817348393. (आरो न - 293)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - बंधना फाइनेंस द्वारा दुकानदार, होलसेल, कृषि लोन, ग्रुपलोन, बिजनेस लोन 2 प्रतिशत ब्याज में। 25. हज़ार से 30 लाख तक लोन वीकली या मंथली आसान किश्तों में। **संपर्क:-** 9770833099. (RO-4560)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
अग्रवाल गोत्र- गोयल
उम्र- 34, हाइट 5'-10"
व्यवसायी युवक
खंडवा (म.प्र.) निवासी
वर के लिए ग्रेजुएट एवं
गृहकार्य मे दक्ष वधु चाहिए।
तलाकशुदा भी मान्य।
सर्व वैश्य मान्य।
वधु पक्ष फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप करें-
सम्पर्क करें-
9131604310
9300328290
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

इम्तियाज अली निर्देशित 'मैं वापस आऊंगा' हुई रिलीज...

मुंबई। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' आज रिलीज हो गई है। यह फिल्म भारत के 1947 के बंटवारे के उथल-पुथल भरे दौर में पनपे प्यार और तड़प की कहानी कहती है। इम्तियाज अली ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, जिसमें 2 अलग-अलग समय के दौर को खूबसूरती से पिरोया गया है। फिल्म में शरवरी ने जिया नाम का एक ऐसा किरदार निभाया है, जो इस जज्बाती और कई पीढ़ियों तक चलने वाली कहानी की धुरी है। शरवरी ने इस फिल्म को अपने दिल के बेहद करीब बताया। उन्होंने आगे बताया कि यह प्यार और तड़प की एक ऐसी कहानी है, जो सभी सीमाओं, समय और यादों से परे है।

लाइफ Style

जेनिफर

कब और किसके साथ सात फेरे लेंगी टीवी की 'माया'

छोटे पर्दे पर अपनी बेहतरीन अदाकारी से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। सोशल मीडिया पर बीते कुछ हफ्तों से चल रही तमाम अटकलों पर अब विराम लगता नजर आ रहा है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री के करीबी सूत्रों के हवाले से यह पक्की खबर सामने आई है कि जेनिफर इस समय सिंगापुर के बिजनेसमैन विलियम इश्माएल के साथ रिलेशनशिप में हैं। यह कपल अब अपने इस रिश्ते को शादी के मुकाम तक ले जाने की पूरी तैयारी कर चुका है। लगभग 41 साल की एक्ट्रेस के करीबी सूत्रों ने बताया है कि जेनिफर और इश्माएल कुछ समय से रिलेशनशिप में हैं और अब अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कपल साथ में बहुत खुश है, विलियम ने छुट्टियों के दौरान जेनिफर को प्रपोज़ किया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। अब वे अपनी शादी की योजना बना रहे हैं। खबर है कि यह कपल क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी करने पर विचार कर रहा है। हालांकि शादी की तारीख और जगह अभी तय नहीं हुई है, लेकिन वे शादी के लिए सितंबर या अक्टूबर के बारे में सोच रहे हैं। अगर उन महीनों में शादी नहीं हो पाती है, तो वे दिसंबर या जनवरी में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। जेनिफर की सगाई और शादी की योजनाओं की चर्चा ने फैंस को बहुत उत्साहित कर दिया है।

ऐश्वर्या राय बनी जेडब्ल्यू मैरियट की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस और मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपनी अचिवमेंट लिस्ट में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली है। बात दें, अब वह दुनिया के टॉप लग्जरी होटल ब्रांड जेडब्ल्यू मैरियट की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। इस नए कॉलोब्रेशन के साथ ऐश्वर्या इंटरनेशनल लेवल पर ब्रांड का रिप्रेजेंट करती नजर आएंगी और इसके स्पेशल कैंपेन स्टे इन द मोमेंट से जुड़ेंगी।

क्या है स्टे इन द मोमेंट?: जेडब्ल्यू मैरियट, जो मैरियट बॉनवॉय के ग्लोबल पोर्टफोलियो का हिस्सा है, उन्होंने हाल ही में इस कॉलोब्रेशन की अनाउंसमेंट की है। बता दें, ब्रांड का स्टे इन द मोमेंट प्लेटफॉर्म ट्रेवल्स को प्रेजेंट मोमेंट एन्जॉय करने, मेंटल पीस और जर्नी के डेस्टिनेशन तक पहुंचे के बजाय एक यादगार एक्सपीरियंस के तौर पर देखने के लिए इंस्पायर करता है। कंपनी का कहना है कि ऐश्वर्या राय की दुनिया भर में अच्छी पहचान है और उनकी छवि भी काफी मजबूत है। इसके साथ अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें इस अभियान के लिए एक बेहतरीन चेहरा बनाती है। वहीं अब वह जेडब्ल्यू मैरियट के वैश्विक विज्ञापनों, डिजिटल कैंपेन, प्रिंट प्रमोशन और खास ब्रांड इवेंट्स में नजर आएंगी।

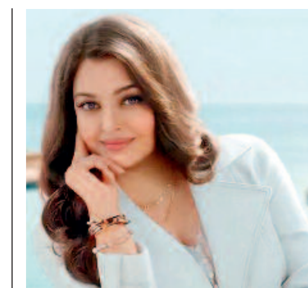

ऐश्वर्या की पॉपुलैरिटी से मिलेगा फायदा : यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब जेडब्ल्यू मैरियट अपने कारोबार को दुनिया भर में तेजी से बढ़ा रहा है। भारत भी कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बन चुका है, जहां लग्जरी और खास अनुभवों वाली यात्राओं की मांग लगातार बढ़ रही है। इस बीच कंपनी को उम्मीद है कि ऐश्वर्या की पॉपुलैरिटी और ग्लोबल पहचान ब्रांड को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। बता दें कि ऐश्वर्या राय ने 1994 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्मों, फैशन और कई सोशल इवेंट्स के जरिए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनाई।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय रॉंची, झारखण्ड

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि रॉंची जिला सदर थाना क्षेत्र के कोकर स्थित खोरहा टोली से लापता हुई अदिति पाण्डेय, उम्र–18 माह की बच्ची की जानकारी देने वाले को रॉंची पुलिस की ओर से 250000/–(ढाई लाख रुपये) का पुरस्कार दिया जायेगा।

रॉंची पुलिस आम लोगों से अपील करती है कि किसी को लापता अदिति पाण्डेय के संबंध में किसी प्रकार के जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम एवं पता पूरी तरह गोपनीय रखा जायेगा

सम्पर्क नं0–
1. वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉंची– 9431706136
2. पुलिस अधीक्षक, नगर रॉंची– 9431706137
3. पुलिस उपाधीक्षक सदर, रॉंची– 9431102090
4. थाना प्रभारी, सदर रॉंची– 9431706160
5. Email - ssp-ranchi@jhpolice.gov.in

निवेदक
वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉंची

PR 382329 Police (26-27)_D

'बिग बॉस सीजन 20' के लिए सितारों से शुरू हुआ संपर्क

मुंबई। लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' अपने 20वें सीजन के साथ लौटने वाला है। इसके लिए निर्माताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बताया जा रहा है कि आगामी सीजन दोगुना नाटकीय और रोमांचक सफर से भरपूर होगा। पिछले अन्य सीजन की तरह इस सीजन की मेजबानी भी सलमान खान करते हुए नजर आएंगे। चूंकि अभिनेता निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की फिल्म 'एसवीसी 63' में व्यस्त हैं, इसलिए निर्माताओं ने उनके शेड्यूल को ध्यान में रखकर तारीख पर चर्चा की है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, पिछले सीजन की तरह ही 'बिग बॉस' का 20वां सीजन सितंबर महीने में टीवी पर लौटेगा। इसकी प्रीमियर तारीख 21 सितंबर तय करने की योजना बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि सलमान की टीम शो उनके शेड्यूल को व्यवस्थित करने और फिल्म की शूटिंग में कोई देरी न हो, इसके लिए तारीखें तय करने में जुटी हुई है।

सनी- अक्षय के बीच होगी बड़ी जंग

मुंबई। बॉलीवुड के 2 दिग्गज कलाकार सनी देओल और अक्षय खन्ना जल्द ही एक धमाकेदार कोर्टरूम ड्रामा फिल्म में आमने-सामने नजर आने वाले हैं। नेटफ्लिक्स ने उनकी आगामी फिल्म 'इक्का' का एक बेहद दमदार और नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके साथ ही फिल्म की आधिकारिक रिलीज तारीख का भी ऐलान कर दिया गया है। आइए जानते हैं अक्षय खन्ना और सनी देओल के कड़क अंदाज से सजी ये फिल्म किस दिन दर्शकों के बीच आएगी। सनी और अक्षय पूरे 29 साल बाद एक बार फिर स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। नेटफ्लिक्स ने अब फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 10 जुलाई को सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह फिल्म एक दमदार और कड़क कानूनी ड्रामा है। इसकी कहानी में कोर्ट के अंदर होने वाली आम बहसों के बजाय किरदारों की सोच, उनके सही-गलत के फैसलों और मन में चलने वाली कशमकश को दिखाया गया है।

डांस से मंच पर मचेगी असली धूम

लॉस एंजिल्स। पॉप क्वीन मैडोना और एब्सोल्यूट वोदका मिलकर 'एब्सोल्यूट आइकॉन' नाम से एक नया कैंपेन शुरू कर रहे हैं। यह कैंपेन मैडोना के नए एलबम 'कॉन्फेशंस' से प्रेरित है। इस कैंपेन में डांस को एक खास जगह के तौर पर दिखाया जाएगा, जहां लोग एक-दूसरे से मिलते हैं और अपने मन की बात कह पाते हैं। मैडोना का कहना है कि संगीत और डांस के जरिए लोगों को आपस में जुड़ने से ऐसी खुशी मिलती है, जिससे वे अपनी जिंदगी की खुशी फिर से महसूस कर पाते हैं। बता दें कि मैडोना का एलबम 'कॉन्फेशंस' 3 जुलाई को रिलीज होगा। इसका पहला गाना 'ब्रिंग योर लव' पहले ही रिलीज हो चुका है। यही नहीं, मैडोना ने कोचेला में एक प्रदर्शन भी दिया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इस कैंपेन के तहत 4 नए कॉकटेल बार और क्लब में मिलेंगे। इनमें से एक है मसालेदार 'एब्सोल्यूट मैडोना मार्टिनी'।

हर महिला को जरूर अपनानी चाहिए ये 5 वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स

बिजनेस डेस्क

आज की महिलाएं सिर्फ परिवार और करियर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बदलते दौर में वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति निर्माण महिलाओं की प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। हालांकि, कई महिलाएं अभी भी निवेश, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही वित्तीय योजना और अनुशासित निवेश के जरिए महिलाएं न केवल अपने वर्तमान को सुरक्षित बना सकती हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आर्थिक आधार भी तैयार कर सकती हैं। नियमित निवेश, आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और वित्तीय निर्णयों में सक्रिय भागीदारी जैसे कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसी पांच महत्वपूर्ण वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स, जिन्हें अपनाकर महिलाएं अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बना सकती हैं।

निवेश को करें ऑटोमेटिक

नियमित निवेश की आदत बनाने का सबसे आसान तरीका है निवेश को ऑटोमेट करना। इसके लिए सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) या फिर आरडी में निवेश कर सकते हैं और हर महीने नियमित निवेश कर सकते हैं। ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा से करियर में बदलाव या आय में उतार-चढ़ाव के दौरान भी निवेश जारी रहता है। इससे समय के साथ कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है और बिना ज्यादा निगरानी के अच्छी संपत्ति बनाई जा सकती है।

रिटायरमेंट के लिए अलग फंड बनाएं

रिटायरमेंट प्लानिंग को टालना भविष्य में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में करियर की शुरुआत से ही आय का एक हिस्सा रिटायरमेंट फंड के लिए अलग रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी खर्च और अन्य दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए भी अलग निवेश योजना बनाना फायदेमंद रहता है। समय-समय पर इन निवेशों की समीक्षा करना भी जरूरी है।

अपने फैसले खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

वित्तीय फैसलों की जिम्मेदारी खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

मजबूत इमरजेंसी फंड तैयार करें

जीवन में कब कौन सी चुनौती सामने आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कोई अन्य अप्रत्याशित खर्च आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा कवरेज ही काम आता है।

महंगाई व टैक्स के दौर में

एफडी क्या सचमुच बढ़ा रही है बचत

तैयारी
बिजनेस डेस्क

फिक्स्ड डिपॉजिट आज भी पूंजी की सुरक्षा और स्थिर आय के लिए एक मजबूत विकल्प है, लेकिन केवल एफडी के भरोसे लंबी अवधि में बड़ी संपत्ति बनाना आसान नहीं है। महंगाई और टैक्स मिलकर इसके वास्तविक रिटर्न को काफी कम कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार एफडी के साथ अन्य निवेश विकल्पों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। आखिरकार निवेश की असली सफलता बैंक बैलेंस बढ़ने में नहीं, बल्कि समय के साथ आपकी क्रय शक्ति बढ़ने में छिपी होती है।

खास बातें

1. 5 प्रतिशत महंगाई के बीच एफडी कैसे बन रहा है सीमित कमाई का साधन
2. विशेषज्ञों ने दी निवेश की रणनीति बदलने की सलाह
3. सुरक्षित निवेश तो है, लेकिन लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण के लिए अकेली एफडी काफी नहीं

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लंबे समय से सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का प्रतीक माना जाता रहा है। निश्चित ब्याज, पूंजी की सुरक्षा और आसान प्रक्रिया के कारण लाखों निवेशक अपनी बचत एफडी में लगाते हैं। लेकिन बदलते आर्थिक माहौल में केवल ब्याज दर को देखकर निवेश का आकलन करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी निवेश की वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वह महंगाई और करों का असर झेलने के बाद निवेशक की क्रय शक्ति को कितना बढ़ा पाता है। यदि एफडी पर मिलने वाला रिटर्न महंगाई दर के बराबर या उससे कम है, तो खाते में रकम बढ़ने के बावजूद वास्तविक लाभ सीमित रह जाता है। खासकर उच्च आयकर स्लैब वाले निवेशकों के लिए टैक्स कटने के बाद एफडी का रिटर्न और कम हो जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या एफडी केवल धन सुरक्षित रखने का साधन है या फिर वास्तव में संपत्ति निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है।

पूंजी सुरक्षा के लिए बेहतर, लेकिन वेल्थ क्रिएशन के लिए जरूरी है विविध निवेश रणनीति

महंगाई क्यों कम कर देती है

- मान लीजिए किसी निवेशक को एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलता है और उसी अवधि में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहती है। ऐसे में निवेशक का वास्तविक लाभ केवल 1 प्रतिशत के आसपास रह जाता है।
- वित्तीय सलाहकार इसी कारण "रियल रिटर्न" पर जोर देते हैं। रियल रिटर्न का अर्थ है निवेश से मिलने वाला वास्तविक लाभ, जो महंगाई घटाने के बाद बचता है।
- रियल रिटर्न = निवेश पर रिटर्न – महंगाई दर
- यदि एफडी का ब्याज 4.9 प्रतिशत और महंगाई 5 प्रतिशत है, तो निवेशक की क्रय शक्ति बढ़ने के बजाय घट भी सकती है।

एसबीआई की एफडी दरें क्या बताती हैं?

- 5 प्रतिशत महंगाई को आधार मानें तो छह महीने तक की छोटी अवधि वाली कई एफडी योजनाएं महंगाई को मात देने में संघर्ष करती दिखाई देती हैं। इन पर मिलने वाला ब्याज 3.05 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत के बीच है।
- हालांकि 1 से 3 वर्ष की अवधि वाली एफडी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इस अवधि में एसबीआई करीब 6.25 से 6.4 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जिससे वास्तविक रिटर्न लगभग 1.25 से 1.4 प्रतिशत तक पहुंचता है। दिलचस्प बात यह है कि 5 से 10 वर्ष तक की लंबी अवधि की एफडी में भी महंगाई के बाद वास्तविक लाभ बहुत अधिक नहीं बढ़ता। यानी केवल लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से बड़ा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

टैक्स के बाद और घट जाता है रिटर्न

महंगाई के अलावा टैक्स भी एफडी निवेशकों की कमाई को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए 6.4 प्रतिशत ब्याज वाली एफडी पर।

- शून्य टैक्स स्लैब में रिटर्न: 6.4%
- 20% टैक्स स्लैब में रिटर्न: 5.12%
- 30% टैक्स स्लैब में रिटर्न: 4.48%
- यानी 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले निवेशक के लिए 6.4 प्रतिशत का ब्याज प्रभावी रूप से 4.48 प्रतिशत रह जाता है, जो 5 प्रतिशत महंगाई से भी कम है। ऐसे में वास्तविक रिटर्न नकारात्मक हो सकता है।

लिक्विड फंड बन सकते हैं विकल्प

कम अवधि के निवेश के लिए लिक्विड फंड भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, एक प्रमुख लिक्विड फंड ने पिछले एक वर्ष में 6.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जो अधिकांश एफडी योजनाओं के बराबर या उनसे बेहतर रहा। हालांकि एफडी की तरह लिक्विड फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ये बाजार से जुड़े होते हैं और समय के साथ इनमें उतार-चढ़ाव संभव है।

फिर भी एफडी क्यों है पसंदीदा?

एफडी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण इसकी सुरक्षा और निश्चितता है। निवेशक को पहले से पता होता है कि उसे कब और कितना पैसा मिलेगा। एफडी विशेष रूप से इन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है:

- सेवानिवृत्त व्यक्ति
- आपातकालीन फंड रखने वाले निवेशक
- 1 से 3 वर्ष के लक्ष्यों के लिए बचत करने वाले लोग
- कम जोखिम पसंद करने वाले निवेशक

कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

- बेहतर महंगाई-समायोजित रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार निम्न विकल्पों पर विचार कर सकते हैं।
- लिक्विड फंड
- मनी मार्केट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड
- आरबीआई फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बॉन्ड
- लंबी अवधि के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड

ईपीएफ का छिपा फायदा

8.25% ब्याज, लेकिन असली रिटर्न 11.8%

विशेषज्ञों का मानना है कि ईपीएफ केवल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि रिटायरमेंट योजना की रीढ़ है। नियमित योगदान, चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ, कर छूट और सरकारी निगरानी इसे एक भरोसेमंद निवेश बनाती है। यदि कर्मचारी नौकरी के शुरुआती वर्षों से ही ईपीएफ को गंभीरता से लें और बीच में निकासी से बचें, तो रिटायरमेंट तक एक बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारत में नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से कटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे मजबूत और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।

कैसे बढ़ जाता है ईपीएफ का वास्तविक रिटर्न?

अधिकांश निवेशक किसी भी योजना का मूल्यांकन केवल उस पर मिलने वाले ब्याज या रिटर्न के आधार पर करते हैं। लेकिन ईपीएफ के मामले में यह तरीका पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। इसकी वजह यह है कि ईपीएफ निवेश पर कर छूट का अतिरिक्त लाभ मिलता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी एक वर्ष में ईपीएफ में 1 लाख रुपये का योगदान करता है। यदि वह पुराने टैक्स रिजीम में है और 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब के अंतर्गत आता है, तो

टैक्स छूट, टैक्स-फ्री ब्याज और सुरक्षित निवेश का लाभ

आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत उसे लगभग 30 हजार रुपये तक की टैक्स बचत मिल सकती है। इसका मतलब यह हुआ कि कर्मचारी की जेब से वास्तविक रूप से केवल 70 हजार रुपये का खर्च हुआ, लेकिन ब्याज पूरे 1 लाख रुपये पर मिलेगा। 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर के हिसाब से एक वर्ष में 8,250 रुपये का ब्याज प्राप्त होगा। यदि इस ब्याज को वास्तविक निवेश यानी 70 हजार रुपये के अनुपात में देखा जाए तो प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत के बराबर बैठता है। यही वह गणित है जिसे कई कर्मचारी नजरअंदाज कर देते हैं और केवल घोषित ब्याज दर देखकर ईपीएफ के वास्तविक लाभ का आकलन नहीं कर पाते।

ईपीएफ की बड़ी ताकत है ईपीएफ टैक्स सुविधा

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार **EPF** की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईईई टैक्स ढांचा है। भारत में बहुत कम निवेश विकल्प ऐसे हैं जो यह तीनहरा लाभ प्रदान करते हैं। पहला लाभ निवेश के समय मिलता है। कर्मचारी द्वारा ईपीएफ में जमा की गई राशि पर धारा 80सी के तहत कर छूट का दावा किया जा सकता है। दूसरा लाभ निवेश अवधि के दौरान मिलता है। ईपीएफ खाते में जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह कर मुक्त होता है। तीसरा लाभ निकासी के समय मिलता है। यदि कर्मचारी ने पांच वर्ष या उससे अधिक समय तक लगातार सेवा की है, तो ईपीएफ से निकाली गई राशि भी कर मुक्त रहती है। यानी निवेश से लेकर निकासी तक तीनों चरणों में कर राहत मिलती है। यही वजह है कि ईपीएफ को कर-कुशल निवेश विकल्प माना जाता है।

नए टैक्स रिजीम में भी बना हुआ है आकर्षण

सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकांश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन खाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योजना आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्रावधान मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

सही होम लोन के चुनाव से मिलेगा बड़ा फायदा

मोरेटोरियम, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन व बैलून पेमेंट से अति. लाभ | होम लोन का चयन करने से पहले विकल्पों को अच्छी तरह समझें

बिजनेस डेस्क

आज के समय में अपना घर खरीदना अधिकांश लोगों का सपना होता है, लेकिन लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण यह सपना पूरा करना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में होम लोन लाखों लोगों के लिए घर खरीदने का सबसे बड़ा सहारा बनता है। हालांकि होम लोन लेते समय अधिकांश लोग केवल ब्याज दर और ईएमआई पर ध्यान देते हैं, जबकि बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार कई तरह के लोन विकल्प भी उपलब्ध कराती हैं। इन विकल्पों में मोरेटोरियम लोन, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम और बैलून पेमेंट लोन प्रमुख हैं। प्रत्येक योजना की अपनी विशेषताएं, फायदे और कुछ सीमाएं हैं। इसलिए किसी भी होम लोन का चयन करने से पहले इन विकल्पों को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

मोरेटोरियम लोन देता है राहत

मोरेटोरियम लोन उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जो कुछ समय के लिए आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हों या भविष्य में उनकी आय बढ़ने की संभावना हो। इस योजना में उधारकर्ता को एक निश्चित अवधि तक नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। हालांकि यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी लोन पर ब्याज लगातार जुड़ता रहता है। बाद में यह ब्याज मूल बकाया राशि में जोड़ दिया जाता है।

नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लोग निर्माणाधीन परियोजनाओं में घर खरीदते हैं। ऐसे खरीदारों के लिए नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम आकर्षक विकल्प हो सकती है। इस योजना में घर का कब्जा मिलने तक खरीदार को नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। कई मामलों में बिल्डर इस अवधि के दौरान ब्याज या ईएमआई का खर्च वहन करता है। इससे खरीदार पर तत्काल वित्तीय बोझ कम हो जाता है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जाती है जो वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं और साथ ही नया घर भी खरीद रहे हैं। इससे उन्हें एक साथ किराया और ईएमआई दोनों का बोझ नहीं उठाना पड़ता। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा की लागत अक्सर किसी न किसी रूप में प्रॉपर्टी की कीमत में शामिल हो सकती है। इसलिए ग्राहकों को योजना के सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए।

बैलून पेमेंट लोन बेहतर

बैलून पेमेंट लोन पारंपरिक होम लोन से थोड़ा अलग होता है। इसमें शुरुआती वर्षों के दौरान ईएमआई अपेक्षाकृत कम रखी जाती है, जिससे मासिक भुगतान का दबाव कम रहता है। लेकिन लोन की अवधि के अंतिम चरण में उधारकर्ता को एक बड़ी राशि एकमुश्त चुकानी होती है। इसी बड़े अंतिम भुगतान को बैलून पेमेंट कहा जाता है। यह विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें भविष्य में आय में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद हो। उदाहरण के लिए किसी कर्मचारी को बड़े बोनस, ईएसओपी (ईएसओपी) से लाभ या वेतन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की संभावना हो। वहीं व्यवसायियों को भविष्य में किसी बड़े लाभ की उम्मीद हो सकती है। हालांकि यदि अनुमानित आय वृद्धि नहीं होती तो अंतिम भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए इस विकल्प को चुनते समय वित्तीय स्थिति का वास्तविक आकलन करना जरूरी है।

लोन लेते समय रखें ध्यान

होम लोन का कोई भी विशेष विकल्प चुनने से पहले केवल कम ईएमआई या शुरुआती राहत को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि लंबे समय में कुल भुगतान कितना होगा और अतिरिक्त सुविधाओं की वास्तविक लागत क्या है। ग्राहकों को लोन की कुल अवधि, कुल ब्याज भुगतान, संभावित जोखिम और अपनी भविष्य की आय की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। इसके अलावा सभी नियमों और शर्तों को विस्तार से पढ़ना भी जरूरी है।

जरूरत अनुसार चुनें सही विकल्प

हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई भी एक लोन योजना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। जहां मोरेटोरियम लोन अस्थायी राहत प्रदान करता है, वहीं नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना निर्माणाधीन मकान खरीदने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। दूसरी ओर बैलून पेमेंट लोन उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें भविष्य में अधिक आय की उम्मीद हो। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के साथ चुना गया होम लोन न केवल घर खरीदने का सपना पूरा करता है, बल्कि लंबे समय तक वित्तीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

पति-पत्नी दोनों कमाते हैं तो सही बजट, नियमित संवाद जरूरी

डबल इनकम, डबल सुरक्षा : नौकरीपेशा दंपतियों के लिए कुछ जरूरी वित्तीय नियम

बेहतर आर्थिक भविष्य के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच, मेडिकल इमरजेंसी फंड और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा परिवार को अचानक आने वाले खर्चों से बचा सकते हैं। इसके अलावा जीवन बीमा भी परिवार की आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ जाते हैं। घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और सुरक्षित रिटायरमेंट जैसे बड़े लक्ष्य अपेक्षाकृत आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि दोहरी आय के साथ वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। कई बार खर्च, बचत और निवेश को लेकर स्पष्ट योजना न होने से मतभेद और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डबल इनकम वाले दंपतियों के लिए नियमित वित्तीय चर्चा, साझा बजट, व्यक्तिगत और संयुक्त खर्चों के बीच संतुलन, पर्याप्त बीमा और अनुशासित निवेश बेहद जरूरी हैं। यदि दोनों साथी मिलकर स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करें और उनके अनुसार योजना बनाएं, तो न केवल वर्तमान जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी की जा सकती हैं, बल्कि भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है। छोटी-छोटी वित्तीय आदतें लंबे समय में बड़ी सफलता की नींव बनती हैं।

'मेरा, तुम्हारा और हमारा' फॉर्मूला अपनाएं

शादी के बाद भी आर्थिक स्वतंत्रता का महत्व बना रहता है। इसके लिए आय को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। एक हिस्सा साझा खर्चों और पारिवारिक लक्ष्यों के लिए, जबकि बाकी दोनों पार्टनर के व्यक्तिगत खर्चों के लिए रखा जा सकता है। इससे जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत जरूरतों के बीच संतुलन बना रहता है।

पैसों को लेकर खुलकर करें बातचीत

अक्सर दंपति आय और खर्चों को लेकर नियमित चर्चा नहीं करते, जिससे कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर महीने एक तय समय पर बैठकर आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए। इससे वित्तीय फैसले पारदर्शी बनते हैं और आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

सही वित्तीय योजना से रख सकते हैं सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव

मिलकर बनाएं संतुलित बजट

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

बचत और निवेश को बनाएं आदत

दोहरी आय का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलता है जब उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचत और निवेश में लगाया जाए। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह देते हैं। इसके बाद जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में निवेश किया जा सकता है।

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी और अनुशासित आदतों से हासिल होती है। नियमित संवाद, सही बजट, पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थित निवेश के जरिए डबल इनकम वाले दंपति अपने सपनों को तेजी से पूरा कर सकते हैं और भविष्य को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।

मोरक्को के खिलाफ नहीं खेलेंगे नेमार

न्यू जर्सी। फीफा वर्ल्ड कप में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे।

स्पेन टीम में यामल, विलियम्स और मुनोज ने की वापसी

गुआडालाजारा। स्पेन सोमवार को केप वर्डे के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल के अपने पहले मैच में पूरे दलबल के साथ उतरेगा क्योंकि लामिन यामल और निको विलियम्स के बाद फॉरवर्ड विक्टर मुनोज ने भी पूरी तरह फिट होकर वापसी कर ली है। स्पेन की टीम विश्व कप से पहले कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही थी, जिससे उसे अपनी तैयारियों में बदलाव करने पड़े। मिकेल मेरिनो और फैबियान रुइज़ भी चोटिल थे, लेकिन बाद में वे टीम में वापस आ गए।

अमेरिका की सबसे बड़ी जीत, पराग्वे को 4-1 से रौंदा

अमेरिकी टीम ने रचा इतिहास पहले हाफ में दागे तीन गोल

इंगलवुड (कैलिफोर्निया)। फोलारिन बालोगुन ने पहले हाफ में दो गोल किए, जिससे अमेरिका ने अपनी घरेलू धरती में 32 वर्षों में पहली बार खेले जा रहे फुटबॉल विश्व कप में पराग्वे पर 4-1 की धमाकेदार जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अमेरिका की विश्व कप में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इस टूर्नामेंट में कभी तीन से अधिक गोल नहीं किए थे। यही नहीं अमेरिकी टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागे, जो विश्व कप में उसका रिकॉर्ड है।

पुलिसिच का शानदार प्रदर्शन

क्रिश्चियन पुलिसिच ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने में मदद की। अमेरिका ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन उसने खाता आत्मघाती गोल से खोला था। बालोगुन ने 31वें और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके अमेरिका को मध्यांतर तक 3-0 से आगे रखा था। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा। इस तरह से अमेरिकी टीम ने विश्व कप के किसी मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका ने चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में अपने चार मैचों में कुल मिलाकर केवल तीन गोल किए थे।

मॉरीसियो ने किया पराग्वे की तरफ से एक गोल

पराग्वे की तरफ से एकमात्र गोल मॉरीसियो ने 73वें मिनट में किया, लेकिन 16 साल में अपना पहला विश्व कप खेल रही दक्षिण अमेरिका की यह टीम शुरू में पिछड़ने के बाद किसी भी समय वापसी नहीं कर पाई।

अमेरिकी टीम का खेल देखने स्टेडियम में उमड़े 70492 दर्शक

इंगलवुड। खचाखच भरे स्टेडियम में अमेरिकी टीम की जर्सी पहने और चेहरे पर देश के झंडे के लाल सफेद और नीले रंग पुते दर्शक अमेरिका के किसी भी स्टेडियम में दिख जाएंगे लेकिन इस बार पहली बार ये दर्शक फुटबॉल के लिए उमड़े थे। विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका के पहले मैच में लॉस एंजिलिस के पास स्टेडियम में 70492 दर्शक आए, जिन्होंने अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से जीत दर्ज करते देखा। हजारों डॉलर खर्च करके अमेरिका को ऐसे खेल के महासमर में अपनी सरजमीं पर खेलते देखने ये दर्शक आए थे, जो खेल देश में लोकप्रियता खोता जा रहा था। अधिकांश प्रशंसकों का कहना है कि बचपन में मनोरंजन क्लबों के लिये फुटबॉल खेलते हुए वे बड़े हुए हैं। लॉस एंजिलिस में रहने वाली 37 वर्ष की नकिशा गुतिरेज और उनकी बहन दोनों फुटबॉल खेलती हैं।

1930 के बाद 2 गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने बालोगुन

इंगलवुड। अमेरिका के नए फुटबॉल नायक बने फोलारिन बालोगुन तीन में से किसी भी देश के लिए खेल सकते थे। लेकिन उन्होंने अमेरिका को चुना और अब विश्व कप फुटबॉल में पहले मैच में उन्होंने दो गोल करके अपनी टीम को पराग्वे पर 4-1 से शानदार जीत दिलाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम की मौजूदगी में बालोगुन 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए। उस समय बर्ट पटेनाउड ने पराग्वे के खिलाफ ही अमेरिका की 3-0 की जीत में तीनों गोल किए थे, जो विश्व कप के इतिहास में पहली हैट्रिक थी।

कैंसस सिटी में चोरी हुए इंग्लैंड टीम के उपकरण

कैंसस सिटी। फीफा वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती मुकाबले से पहले इंग्लैंड फुटबॉल टीम की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के कुछ ट्रेनिंग उपकरण कैंसस सिटी पहुंचने के दौरान चोरी हो गए हैं। इस मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग सामान फ्लोरिडा स्थित प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप से कैंसस सिटी के स्वोप सॉकर विलेज भेजा जा रहा था। इसी दौरान सामान ले जा रही गाड़ी से कुछ उपकरण गायब हो गए। इंग्लैंड की टीम कैंसस सिटी पहुंचने वाली थी और वहां अभ्यास शुरू करने की तैयारी कर रही थी। स्थानीय पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले को चोरी के रूप में दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कनाडा को 1 पॉइंट हासिल करने में लगे 40 साल

टोरंटो। कनाडा ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर विश्व कप फुटबॉल में अब तक खेले गए अपनी कुल सात मैचों में पहली बार अंक हासिल किया। इससे पहले कनाडा टीम 1986 में मैक्सिको में और 4 साल पहले कतर में हुए विश्व कप में अपने सभी मैच हार गई थी। स्टेडियम जब कनाडा की लाल जर्सी के रंग में रंगा हुआ था और दर्शक 'गो कनाडा' के नारे लगा रहे थे तब उसकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जिससे दर्शक सन्न रह गए। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए जोवो लुकिच ने 21वें मिनट में कॉर्नर किक पर हेडर से गोल दागा। कनाडा की टीम और उसके प्रशंसकों ने हालांकि भरोसा बनाए रखा और आखिर में उसे 78वें मिनट में जश्न मनाने का मौका मिल गया जब स्थानापन्न खिलाड़ी साइल लारिन ने बराबरी का गोल किया। ऐसे में लारिन ने मैदान पर उतरने के महज दो मिनट बाद ही प्रॉमिस डेविड के पास को गोल में बदल दिया।

- कनाडा ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-1 से ड्रॉ पर रोक

प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास

लारिन के लिए यह और भी बेहतर अनुभव था, जो आमतौर पर शुरुआती लाइनअप में होते हैं, लेकिन उन्हें दूसरे हाफ के आखिर क्षणों तक बेंच पर बैठकर मैच देखना पड़ा। लारिन ने कहा, 'अपने गृहनगर में गोल करना और प्रशंसकों के साथ जश्न मनाना अद्भुत अहसास है। माहौल शानदार था।' लारिन का यह गोल विश्व कप में कनाडा का केवल दूसरा गोल था। बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए गोल करने वाले लुकिच को भी शुरुआती एकादश में जगह नहीं मिलती लेकिन एडिन डेज्को (कंधे में चोट) और हारिस तबाकोविच (चोट का कारण अज्ञात) के चोटिल होने के कारण उन्हें शुरू में ही मैदान पर उतारा गया और वह अपेक्षाओं पर खरे उतरे। बोस्निया-हर्जेगोविना दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा ले रहा है।

खबर संक्षेप

शिर्से ने बाधा दौड़ में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लुधियाना। तेजस शिर्से ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में शनिवार को पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। रिलायंस फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व कर रहे 24 वर्षीय शिर्से ने 13.27 सेकंड का समय लेकर अपने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने अपना पिछला रिकॉर्ड 2024 में 13.41 सेकंड के समय के साथ बनाया था। शिर्से ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए निर्धारित किए गए क्वालीफाइंग मार्क 13.39 सेकंड से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 13.50 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। शिर्से का 13.27 सेकंड का समय एशिया में इस सत्र का छठा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

जसपाल राणा का निधन अपूरणीय क्षतिः भाकर

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने अपने कोच जसपाल राणा के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल के मार्गदर्शन में मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मनु ने अपनी और राणा की तीन तस्वीरें साझा करते हुए लिखा,' अपूरणीय क्षति।' मनु देहरादून में राष्ट्रीय शिविर में भाग ले रही है। राणा का पार्थिव शरीर जब देहरादून लाया गया तो वह मौजूद थी और अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकीं।

एफआईएस ने स्की और स्नोबोर्ड को दी मान्यता

बेलग्रेड। अंतरराष्ट्रीय स्की और स्नोबोर्ड महासंघ (एफआईएस) ने भारतीय स्की स्नोबोर्ड (एसएसआई) की मान्यता रद्द करते हुए भारतीय स्की और स्नोबोर्ड संघ (बीएसएसए) को देश में इस खेल के संचालन के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महासंघ के रूप में पूर्ण सदस्यता प्रदान की है।

डेब्यू मैच में बरार-दुबे का जलवा, भारत ने जीता पहला वनडे

गुरबाज की शतकीय पारी पर फिरा पानी, अफगानिस्तान 7 विकेट से हरा

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारत ने पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और स्पिनर हर्ष दुबे की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 84 रन) के अर्धशतक से शनिवार को बारिश से प्रभावित पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। लगातार बारिश के कारण मैच शुरू होने में 4 घंटे 15 मिनट की देरी हुई। इससे मैच को घटाकर 25-25 ओवर का कर दिया गया और उम्मीद के मुताबिक भारत ने टॉस जीतकर विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बरार और दुबे ने 3-3 झटके देकर प्रभावित किया, जिससे अफगानिस्तान की टीम विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (51 गेंद में 102 रन) के शतक के बावजूद 24.5 ओवर में 194 रन पर सिमट गई। बरार ने 4.5 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट झटके जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुबे ने 47 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। अर्शदीप सिंह ने 27 रन और नीतीश कुमार रेड्डी ने 31 रन देकर दो-दो विकेट लिए।

रोहित ने बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे

रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 16 गेंद पर 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 16 रन बनाए। रोहित ने इस पारी में पहला छक्का जड़ते ही बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। बतौर ओपनर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके 16 हजार रन पूरे हो गए। वह बतौर ओपनर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। वीरेंद्र सहवाग के उनसे ज्यादा रन हैं, लेकिन उन्होंने एशिया और आईसीसी एकादश के लिए ओपनिंग करते हुए रन बनाए हैं।

रोहित ने तोड़ा मोहिंदर अमरनाथ का रिकॉर्ड
धर्मशाला के मैदान में टीम इंडिया के रोहित शर्मा ने जैसे ही कदम रखा तो उन्होंने भारतीय क्रिकेट का 37 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही वह भारत के लिए सबसे अधिक उम्र में वनडे क्रिकेट खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में रोहित ने पूर्व खिलाड़ी मोहिंदर अमरनाथ को पीछे छोड़ दिया।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान पारी	रन	गेंद	4	6
गुरबाज बो रेड्डी	102	51	8	8
जदरान का गिल बो बरार	01	4	0	0
अटल पगबाधा बो अर्शदीप	00	2	0	0
रहमत का दुबे बो अर्शदीप	03	8	0	0
शाहिदी का राहुल बो दुबे	27	30	3	0
उमरजई स्ट ईशान बो दुबे	26	16	0	3
नबी का अर्शदीप बो रेड्डी	09	14	0	1
राशिद खान बो बरार	09	13	2	0
गजनफर का गिल बो दुबे	00	2	0	0
रहमान का अर्शदीप बो बरार	04	8	1	0
मोहम्मद सलीम नाबाद	01	1	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल योग : 24.5 ओवर में 194/10 रन
गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 5-0-27-2, गुरनूर बरार 4.5-0-27-3, प्रसिद्ध कृष्णा 5-0-35-0, हर्ष दुबे 5-0-47-3,वाशिंगटन सुंदर 1-0-19-0, नीतीश कुमार रेड्डी 4-0-31-2,

भारत पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा रन आउट	16	16	2	1
शुभमन गिल नाबाद	84	66	11	2
ईशान बो राशिद	34	22	3	1
अय्यर का सलीम बो रहमान	12	15	1	0
केएल राहुल नाबाद	39	19	4	3

अतिरिक्त : 10, कुल योग : 22.5 ओवर में 195/3 रन
गेंदबाजी : उमरजई 3-0-28-0, रहमान 4-0-39-1, गजनफर 5-0-28-0, सलीम 3.5-0-36-0, राशिद 5-0-37-1, नबी 2-0-26-0

महिला टी20 विश्व कप

भारत और पाकिस्तान में हाई-वोल्टेज मैच आज, टीम इंडिया का पलड़ा भारी

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम पाकिस्तान पर हावी रही है। टी20 इंटरनेशनल में भारत और पाकिस्तान की अब तक कुल 16 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 13 मुकाबलों में जीत भारतीय टीम के हाथ लगी है। सिर्फ 3 मुकाबलों में ही पाकिस्तान की टीम जीत दर्ज कर सकी है। भारतीय टीम रविवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में अपने दमदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत साल 2024 में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हुई थी, जहां भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, याजक पाटिल, श्रीदेवी, यतिका भाटिया।

पाकिस्तान टीम : फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, अयमान फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जबीन, मुनीबा अली, तुबा हसन, रामिन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग, तस्मिया रुबाब। मैच शाम 7 बजे शुरू से।

ऑस्ट्रेलिया ओपन

सेमीफाइनल में हारी सिंधू 17 महीने का इंतजार बरकरार

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु शनिवार को ऑस्ट्रेलिया बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से सीधे गेम में पराजित हो गईं, जिससे इस भारतीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ खिताब का इंतजार बरकरार रहा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिंधू को यहां तीसरी वरीयता मिली थी। उन्होंने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 20-22, 12-21 से हार गईं। सिंधू के बाहर होने के साथ ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया।

सिंधू ने पहले गेम में किया डटकर सामना

सिंधू ने पहले गेम में यामागुची के हर शॉट का डटकर सामना किया। दोनों खिलाड़ियों ने लगातार छह-छह अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय खिलाड़ी अपने गेम प्वाइंट को अंक में बदलने में नाकाम रही। यामागुची ने संयम बनाए रखते हुए पहला गेम जीत लिया।पर दूसरे गेम में खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। यामागुची ने लगातार आठ अंक बनाकर 13-6 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखते हुए आसानी से मैच जीत लिया। अब जापानी खिलाड़ी महिला एकल के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी।

विदेशी खिलाड़ियों के मामलों पर हस्तक्षेप नहीं करेगा बीसीसीआई

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

हाल में खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग सत्र के दौरान फ्रेंचाइजी की चिंताओं के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विदेशी खिलाड़ियों और उनकी टीम के बीच उनकी उपलब्धता को लेकर कोई मध्यस्थता नहीं करेगा। बीसीसीआई ने उन विदेशी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, जो नीलामी में खरीदे जाने के बाद टूर्नामेंट से हट जाते हैं। लेकिन दो महीने तक चलने वाले आईपीएल में खिलाड़ियों की उपलब्धता अभी भी एक मुद्दा बनी हुई है। जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे खिलाड़ी मामूली चोटों के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती हिस्से में उपलब्ध नहीं थे। स्टार्क की अनुपस्थिति का दिल्ली कैपिटल्स पर प्रतिकूल असर पड़ा। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने प्लेऑफ अभियान के बाद सैम करन के चोट के कारण आईपीएल से हटने के बाद ब्रिटेन में टी20 खेलने पर निराशा व्यक्त की थी। पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि बीसीसीआई और अन्य बोर्डों को विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बेहतर तालमेल बिठाने की जरूरत है।

काउंटी डेब्यू पर चमके सुथार, यॉर्कशायर के खिलाफ झटके 2 विकेट

एजेंसी ▶▶| स्कारबोरो

भारत के लिए टेस्ट में यादगार पदार्पण करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन वन में वारविकशर की ओर से पदार्पण मैच में यॉर्कशर के खिलाफ पहले दिन 2 विकेट हासिल किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ इस सप्ताह खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में 7 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने सुथार ने यॉर्कशर के खिलाफ 76 रन पर 2 विकेट झटके। यॉर्कशर ने दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 398 रन बनाए थे। इस 23 साल के गेंदबाज ने अपने काउंटी करियर का पहला विकेट यॉर्कशर के तीसरे क्रम के बल्लेबाज सैम व्हाइटमैन के रूप में लिया। व्हाइटमैन 55 रन बनाकर आउट हुए। सुथार ने दिन के अंतिम लम्हों में सलामी बल्लेबाज विलियम लक्सटन को पगबाधा आउट कर यॉर्कशर को बड़ा झटका दिया।

महिला टी20 विश्व कप : जॉर्जिया और लिचफील्ड ने खेली ताबड़तोड़ पारी

ऑस्ट्रेलिया का शानदार आगाज, द. अफ्रीका को हराया

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

जॉर्जिया वेयरहम के हरफनमौला प्रदर्शन और फोबे लिचफील्ड की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप एक के इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लिचफील्ड की 24 गेंद में 50 रन की पारी की मदद से 8 विकेट पर 172 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 16.4 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई। लिचफील्ड ने अपनी पारी में 9 चौके और एक छक्का लगाया जबकि एलिस पेरी ने 26 गेंद में 36 रन और वेयरहम ने 22 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। पेरी और वेयरहम ने पांचवें विकेट के लिए 38 गेंद में 58 रन की साझेदारी की। 'प्लेयर ऑफ द मैच' जॉर्जिया वेयरहम ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 2.4 ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट चटकाए। सोफी मोलिन्यू और अलाना किंग को दो-दो, जबकि किम गर्थ और एश्ली गार्डनर को एक-एक सफलता मिली।

रन गति के दबाव में बिखरी दक्षिण अफ्रीका

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी रही और 11वें ओवर के बाद टीम तीन विकेट पर 77 रन बनाकर मुकाबले में बनी हुई थी। लेकिन इसके बाद टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही और रन गति के दबाव में बिखर गई।दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लौरा वोलवार्ट ने सर्वाधिक 44 रन बनाए, जबकि नादिन डी क्लार्क ने 25 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 17 जून को अब बांग्लादेश से भिड़ेगी, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम उसी दिन पाकिस्तान का सामना करेगी।

स्कॉटलैंड ने आयरलैंड को हराया

एक अन्य मैच में स्कॉटलैंड ने कैथरीन ब्राइस के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड को 40 रन से हराया। ग्रुप दो के इस मुकाबले में स्कॉटलैंड ने 5 विकेट पर 161 रन बनाए और फिर आयरलैंड को 19.1 ओवर में 121 रन पर आउट कर दिया। कैथरीन ब्राइस ने 39 गेंद में 60 रन की पारी खेलने के साथ 3.1 ओवर में 19 रन देकर दो विकेट भी चटकाए।

दो घंटे बर्फ में दबा रहा यह स्विस व्यक्ति साहस के जरिए बनाया विश्व रिकॉर्ड

स्विटजरलैंड। यूरोप के स्विट्जरलैंड का रहने वाला एक व्यक्ति पूरे 2 घंटे तक बर्फ में दबा रहा। यह साहस भरा काम करके उन्होंने विश्व रिकॉर्ड कायम किया है और पूरी दुनिया में अपना नाम कर लिया है।

मेयर के नाम दर्ज हुआ यह रिकॉर्ड स्विट्जरलैंड के अंडरमैट शहर में नवंबर से लेकर अप्रैल तक भारी बर्फबारी देखने को मिलती है। इसी का फायदा उठाते हुए इलियास मेयर ने एक नया रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया। इस शहर के पहाड़ों पर हल्की-हल्की बर्फ गिर रही थी और मेयर बर्फ के नीचे दबे हुए थे। उन्होंने 2 घंटे तक बर्फ में दबे रहकर 'बर्फ के साथ सीधे संपर्क में बिताए गए सबसे लंबे समय' का विश्व रिकॉर्ड बना डाला। मेयर पेशे से बॉडी बिल्डर हैं, लेकिन जीवन में कुछ बड़ा करने का सपना देखते थे।

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
एडवांस यूरोलॉजी एवं यूरो सर्जरी विभाग
• मूत्राशय, किडनी एवं प्रोस्टेट के कैंसर का इलाज
• पेशाब की धार कमजोर होना
• पेशाब के रास्ते की जन्मजात विकृति का इलाज
• यूरिनरी ब्लेडर में पथरी की समस्या का इलाज
• किडनी स्टोन संबंधी समस्या का इलाज
• किडनी एवं मूत्र संबंधी सभी समस्याओं का निराकरण
• सभी प्रकार की यूरोलॉजी सर्जरी
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

सेक्स अंगों की कॉस्मेटिक सर्जरी
Fat Injection
Vagina Tightening
(महिलाएं व पुरूष दोनों हेतु)
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

इस देश की खूबसूरती मंत्रमुग्ध कर देने वाली है और यहां का खाना तो विश्व भर में मशहूर है। आज हम इटली की सुंदरता पर नहीं, बल्कि यहां के विचित्र कानूनों के बारे में बात करने वाले हैं। ये कानून इतने अजीबो-गरीब हैं कि इसके बारे में जानने के बाद आप हैरत में पड़ जाएंगे।

इटली के अजीबो-गरीब कानून जानकर आप रह जाएंगे दंग

मुस्कुराते रहने का कानून

वैसे तो लोग खुश होने पर मुस्कुराते हैं, लेकिन इटली के एक शहर में आपको जबरदस्ती मुस्कुराना पड़ सकता है। मिलान के एक पुराने कानून के मुताबिक, सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को हर समय मुस्कुराना जरूरी है। ऐसा माना जाता था कि इस कानून के जरिए शहर चमकेगा और खुशहाली को बढ़ावा मिलेगा। इस कानून को औपचारिक रूप से कभी निरस्त नहीं किया गया, लेकिन अब यह लागू नहीं किया जाता है।

आवाज करने वाले चप्पल-जूते न पहनने का कानून : अगर आप कैप्री शहर जाने की सोच रहे हैं तो अपने आवाज करने वाले जूते-चप्पल घर पर ही छोड़ दीजिएगा। जी हां, यहां का एक अजीब कानून कहता है कि लोग आवाज करने वाली सैंडल या जूते नहीं पहन सकते। इस शहर में लकड़ी के तलवे वाली सैंडल और फ्लिप-फ्लॉप चप्पलों पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

कुत्तों को टहलाने का कानून

जो लोग कुत्ते पालते हैं वे अपनी मर्जी से उन्हें टहलाने ले जाते हैं। हालांकि, इटली के ट्यूरिन शहर में आप ऐसा नहीं कर सकते। यहां हर व्यक्ति को अपने कुत्तों को दिन में कम से कम 3 बार तो टहलना ही पड़ता है। पशु कल्याण संबंधी सख्त नियमों के तहत इसे 2005 में लागू किया गया था। इस नियम का पालन न करने वाले मालिकों पर 54,165 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

मरने पर प्रतिबंध

आप सुनकर यकीन नहीं कर पाएंगे, लेकिन एक समय पर इटली में मरने पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके चलते मरने को गैरकानूनी बना दिया गया, क्योंकि शहर के कब्रिस्तान पूरी तरह से भर चुके थे। मेयर जूलियो सीजर फावा ने आदेश दिया था कि निवासियों और आगंतुकों को 'सांसारिक जीवन की सीमा पार करके परलोक में प्रवेश करने' से मना किया गया है।

रेत के किले न बनाने का कानून

समुद्र तट पर बच्चे-बड़े सभी रेत के किले बनाकर मनोरंजन करते हैं। हालांकि, अगर आपने एराक्लीया में ऐसा किया तो आप मुसीबत में पड़ जाएंगे। यहां का एक विचित्र कानून समुद्र तट पर रेत के किले बनाने को प्रतिबंधित करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक मर्यादा बनाए रखना और समुद्र तट के किनारे चलने वाले लोगों के मार्ग में बाधा उत्पन्न होने से रोकना है। ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर 27,082 रुपये का जुर्माना भरना पड़ता है।

पेले की 1958 विश्व कप जर्सी होगी नीलाम

ब्राजील। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी पेले एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे, जिन्होंने 3 बार (1958, 1962, 1970) फीफा वर्ल्ड कप जीता। पेले अब हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके दुनियाभर में करोड़ों चाहने वाले हैं। यही कारण है कि उनसे जुड़ी हर चीज बेहद नायब होती है और लाखों-करोड़ों रुपये में बिकती है। इसी कड़ी अब उनके द्वारा 1958 फीफा वर्ल्ड कप में पहनी हुई जर्सी नीलाम की जा रही है। सोथबी नामक नीलामीघर इस खास नीलामी का आयोजन करवा रहा है और इसके 60 लाख डॉलर यानी 57 करोड़ रुपये से अधिक में बिकने की उम्मीद है। इस बिक्री से पेले से जुड़ी यादगार वस्तुओं का एक नया रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है और यह अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी के रिकॉर्ड को चुनौती दे सकती है। यह रिकॉर्ड वर्तमान में 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी के नाम है, जो 2022 में 92 लाख डॉलर में बिकी थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com